● सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 36, अंक 294, पृष्ठ : 08, सीधी, बुधवार , 11 दिसम्बर 2024 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

4 नए मंत्रियों को विभाग का बंटवारा? 5

एरिना सबालेंका ने डब्ल्यूटीए की साल की सर्वश्रेष्ठ टेनिस खिलाड़ी का पुरुस्कार जीता 6

गीता जयंती से आरंभ होगा जनकल्याण पर्व और मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान : डॉ. यादव

विभिन्न योजनाओं में पात्र हितग्राहियों को चिन्हित कर किया जायेगा लाभान्वित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 के स्वप्न को साकार करने के लिये राज्य सरकार निरंतर प्रतिबद्धतापूर्वक कार्य कर रही है। प्रदेश सरकार एक वर्ष पूर्ण होने पर गीता जयंती के पावन पर 11 दिसम्बर से दो कार्यक्रम प्रारंभ किये जा रहे है। जनकल्याण पर्व 11 दिसम्बर से 26 दिसम्बर 2024 तक और 11 दिसम्बर 2024 से 26 जनवरी 2025 तक मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान चलेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 11 दिसम्बर से 26 दिसम्बर आयोजित किये जा रहे जनकल्याण पर्व में विभिन्न विभागों की गतिविधियां, विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन के साथ जन-कल्याण के कार्य प्रमुखता से किये जायेंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित नागरिकों को लाभान्वित करने के लिए मौके पर ही शिविर लगाकर जन समस्याओं का निराकरण किया जायेगा। इसमें केन्द्र और राज्य सरकार की 34 चिन्हित शत?प्रतिशत सैचुरेशन की हितग्राही मूलक योजनाओं और 11 लक्ष्य आधारित योजनाओं के साथ विभिन्न विभागों से संबंधित 63 सेवाएं आमजन तक पहुँचाकर उन्हें लाभान्वित किया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इन कार्यक्रमों में आमजन की सहभागिता भी रहेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में 11 से 26 दिसम्बर 2024 तक मनाये जाने वाले मुख्यमंत्री जन-कल्याण पर्व में विभिन्न विकास गतिविधियाँ होंगी। पर्व का शुभारंभ 11 दिसम्बर को भोपाल में लाड़ली बहना योजना की राशि वितरण से किया जायेगा। साथ ही हजारों आचार्यों के द्वारा गीता का सस्वर पाठ कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का दावा प्रस्तुत किया जायेगा। 12 दिसम्बर को अलीराजपुर जिले के चंद्रशेखर आजाद नगर (भाबरा) में सोंडवा माइक्रो सिंचाई परियोजना का भूमि-पूजन किया जायेगा। 13 दिसम्बर को भोपाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा एक वर्ष की उपलब्धियों पर आधार प्रदर्शनी लगेगी। इसके अतिरिक्त भोपाल, सीहोर एवं रायसेन से युवाओं की रातापानी अभयारण्य तक बाइक रैली निकलेगी। भोपाल संभाग में 630 करोड़ रूपये से अधिक विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन होगा। 14 दिसम्बर को बच्चों को पोषण आहार किट?वितरण (अक्षयपात्र) कार्यक्रम, तानसेन समारोह अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। ग्वालियर में कन्वेंशन सेंटर का लोकार्पण और महाराजा जीवाजी राव सिंधिया की मूर्ति का अनावरण होगा। युवा संवाद एवं विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का वितरण होगा। ग्वालियर संभाग में 242.26 करोड़ रूपये से अधिक विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन होगा।

15 दिसम्बर को उमरिया में गौ-शाला का भूमि-पूजन और जबलपुर में सरदार वल्लभ भाई पटेल की मूर्ति का अनावरण करेंगे। 16 दिसम्बर को वृहद युवा संवाद (स्व-रोजगार, रोजगार केन्द्रित कार्यक्रम), पुलिस बैण्ड द्वारा प्रस्तुतिकरण होगा। 17 दिसम्बर को वन मेले के शुभारंभ के साथ पार्वती-कालीसिंध नदी जोड़ो परियोजना का शुभारंभ भी किया जायेगा। 18 दिसम्बर को शहडोल में साधु-संतों के साथ संवाद का आयोजन किया जायेगा। शहडोल संभाग 477.39 करोड़ रूपये से अधिक के विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण होगा।

साइबर अपराध मानवाधिकारों के लिए खतरा : राष्ट्रपति

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मानवाधिकार दिवस के मौके पर मानवाधिकार आयोग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुईं। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि साइबर अपराध एवं जलवायु परिवर्तन मानवाधिकारों के लिए नए खतरे हैं। मानवाधिकार दिवस हर साल 10 दिसंबर को मनाया जाता है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, जब हम भविष्य की तरफ बढ़ रहे हैं तो हमारे सामने नयी उभरती चुनौतियां पेश हो रही हैं। साइबर अपराध, जलवायु परिवर्तन मानवाधिकारों के लिए नए खतरे हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग परिवर्तनकारी तो है लेकिन इसके साथ साइबर अपराध, डीप फेक, गोपनीयता की चिंता और गलत सूचना का प्रसार जैसे जटिल मुद्दे भी सामने आए हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने एआई और मानव जीवन पर उसके प्रभाव के पहलू पर भी बात की। उन्होंने कहा, एआई अब हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में कदम रख चुकी है और वह कई समस्याओं का समाधान कर रही है लेकिन हमारे सामने कई नई समस्याएं भी खड़ी हो रही है। उन्होंने बताया कि अबतक मानवाधिकारों पर विमर्श मानव एजेंसी पर केंद्रित रहा है क्योंकि उल्लंघनकर्ता को मानव माना जाता है जिसमें करूणा अपराध बोध जैसी विविध मानवीय संवेदनाए होती हैं। जलवायु परिवर्तन पर बात करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि यह मुद्दा वैश्विक स्तर पर मानवाधिकारों की सोच पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर करता है।

राजगोपालाचारी की जयंती पर पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि

स्वाहिद दिवस के मौके पर बलिदानों को किया याद

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को स्वतंत्र सेनानी सी राजगोपालाचारी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान और भारत को आगे बढ़ाने के प्रयासों के लिए रामगोपालाचारी को हमेशा याद किया जाएगा। बता दें कि राजगोपालाचारी एक स्वतंत्रता सेनानी के साथ-साथ राजनेता, वकील और देश के एकमात्र भारतीय गवर्नर-जनरल भी थे। हालांकि, गवर्नर जनरल का पद आजादी के बाद समाप्त कर दिया गया था। राजगोपालाचारी की जयंती पर उन्हें याद करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल

मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, सी. राज गोपालाचारी को उनकी जयंती पर स्मरण। उन्हें भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान और भारत को आगे बढ़ाने के प्रयासों के लिए याद किया जाता है। उन्होंने शासन, साहित्य और सामाजिक सशक्तिकरण पर गहरा प्रभाव छोड़ा। उनके सिद्धांत हमें यह सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित करते हैं कि प्रत्येक भारतीय सम्मान से जीवन जिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को स्वाहिद दिवस के मौके पर कहा कि यह दिन उन लोगों के साहस और बलिदान को याद करने का दिन है जिन्होंने खुद को असम आंदोलन के लिए समर्पित कर दिया। असम आंदोलन राज्य में अवैध अप्रवासियों के निर्वासन क मांग करने वाला एक स्वदेशी आंदोलन था। इस आंदोलन में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए 10 दिसंबर को स्वाहिद दिवस के तौर पर मनाया जाता है।

सायबर हेल्प डेस्क होंगी मजबूत

भोपाल। साइबर अपराधों की घटनाओं पर अंकुश लगाने और आगामी समय में आने वाली साइबर चुनौतियों से निपटने के लिए भोपाल शहर के सभी 37 थानों में 1 दिसंबर से साइबर हेल्प डेस्क शुरू किया गया है। जहां 5 लाख रुपये तक के मामलों की शिकायत की जा सकती है। सायबर हेल्प डेस्क को और ज्यादा मजबूत बनाया जा रहा है। प्रशिक्षित पुलिसकर्मी विवेचकों की मदद करेंगे। इसके लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

सरकार इसी सत्र में पेश कर सकती है एक राष्ट्र एक चुनाव विधेयक

आम राय बनाने के पक्ष में केंद्र

नई दिल्ली

केंद्र सरकार अपनी एक राष्ट्र एक चुनाव योजना को लागू करने के लिए प्रस्तावित विधेयक पर व्यापक विचार-विमर्श के पक्ष में है। हालांकि, विधेयक को अभी कैबिनेट की मंजूरी नहीं मिली है, पर सरकार इसे संसद के वर्तमान सत्र में पेश कर सकती है।

सरकार से जुड़े सूत्रों का कहना है कि इस बिल को विस्तृत चर्चा के लिए संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) के पास भी भेजा जा सकता है। सरकार इस बिल पर आम राय बनाने के पक्ष में है। जेपीसी सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से चर्चा करेगी। साथ ही, सभी राज्य विधानसभाओं के स्पीकरों को भी बुलाया जा सकता है। साथ ही देश के प्रबुद्ध वर्गों के साथ ही सिविल सोसायटी की भी राय ली जाएगी। वन नेशन-वन इलेक्शन पर विचार करने के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में पिछले साल 2 सितंबर को एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया था। समिति ने इस वर्ष 14 मार्च को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को रिपोर्ट सौंपी थी। समिति ने 18,626 पन्नों की रिपोर्ट तैयार की है। समिति ने 62 राजनीतिक दलों से संपर्क किया था, जिनमें से 32 ने एक देश, एक चुनाव का समर्थन किया, जबकि 15 पार्टियों ने विरोध जताया था।

समिति ने पहले चरण में लोकसभा व विधानसभाओं के चुनाव व दूसरे चरण में स्थानीय निकाय के चुनाव कराए जाने की सिफारिश की है। प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयकों में से एक विधेयक निकायों के चुनावों को लोकसभा व विधानसभा के साथ जोड़ने को लेकर होगा, हालांकि इसके लिए कम से कम 50 फीसदी राज्यों से समर्थन की जरूरत होगी।

केजरीवाल की ऑटोवालों को पांच बड़ी गारंटी

नई दिल्ली। दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए आम आदमी पार्टी ने बड़ा एलान किया है। अरविंद केजरीवाल ने ऑटोवालों को पांच बड़ी गारंटी दी है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में ऑटो वालों का इंश्योरेंस होगा। ऑटोवालों को 10 लाख तक का इंश्योरेंस मिलेगा। दिल्ली में दोबारा आम आदमी पार्टी की सरकार बनने पर सभी ऑटो वाले भाइयों के लिए केजरीवाल की 5 गारंटियां - हर चालक का 10 लाख तक का जीवन बीमा और 5 लाख का एक्सीडेंट इंश्योरेंस। बेटी की शादी में 1 लाख की सहायता।

सरकार खुद चर्चा नहीं करना चाहती

कांग्रेस की बैठक के बाद भाजपा पर प्रियंका गांधी का पलटवार

नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सांसदों के साथ बैठक की। इस बैठक के बाद कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पार्टी के नेता संसद में चर्चा करना चाहते हैं, लेकिन सत्तारूढ़ पार्टी ऐसा नहीं चाहती है। उन्होंने बताया कि आज की बैठक संसद के मुख्य कमेटी रूम में की गई। बता दें कि विपक्षी गठबंधन के नेता संसद परिसर में अदाणी मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। पत्रकारों से बात करते हुए हुए प्रियंका गांधी ने कहा, हम रोज चर्चा करने की कोशिश करते हैं, लेकिन वे चर्चा करना नहीं चाहते। इसलिए वे किसी न किसी कारण से सदन स्थगित करवा देते हैं।

अभूतपूर्व आपदा थी कोरोना महामारी, टीकाकरण ने बचाई जानें, सुप्रीम कोर्ट में बोला केंद्र

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार ने मंगलवार को कहा कि कोरोना महामारी एक ऐसी आपदा थी, जैसे पहले कभी नहीं देखी गई और टीकाकरण ने लाखों लोगों की जान बचाई। सरकार ने यह जवाब तब दिया, जब जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस पी.बी. वराले की पीठ दो लड़कियों की कथित रूप से टीकाकरण से मौत को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

केंद्र की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी पेश हुए। उन्होंने कहा

कि कोरोना महामारी एक अभूतपूर्व आपदा थी। इस पर लड़कियों के परिजनों का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ वकील कोलिन गोंसाल्विस ने जवाब दिया, हम इसका विरोध नहीं कर रहे हैं। हम विवाद नहीं कर रहे हैं।

याचिका दोनों लड़कियों (18 वर्षीय और 20 वर्षीय) के परिजनों की ओर से दायर की गई है। उनका कहना है कि कोविशील्ड टीके की पहली डोज लेने के बाद लड़कियों को गंभीर प्रतिकूल प्रभावों (एईएफआई) का सामना करना पड़ा।

भाटी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कोविड टीकाकरण के पहलुओं को समग्र रूप से देखा था और एईएफआई फैसला दिया था। उन्होंने कहा, अंत में यह संतुलन का सवाल है। कोरोना महामारी एक अभूतपूर्व आपदा थी और टीकाकरण ने महामारी के दौरान जीवन बचाए हैं। हमारे पास एक मजबूत नियामक तंत्र है।

गोंसाल्विस ने कहा कि दोनों याचिकाकर्ताओं ने टीकाकरण के बाद अपनी बेटियों को खो दिया। इसके जवाब में पीठ ने कहा, कोर्ट ने इसे माना है, अब हमें इसे निपटाना होगा। इसके बाद भाटी ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त 2022 में इस याचिका पर केंद्र को नोटिस जारी किया था और सरकार का जवाबी हलफनामा रिकॉर्ड पर है। हालांकि, गोंसाल्विस ने कहा कि यह मामला टीकाकरण से जुड़े नुकसान का है, जिसमें उपचार के उपायों का खुलासा नहीं किया गया।

पीएम मोदी से मुख्यमंत्री ने की सौजन्य भेंट

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को संसद भवन नई दिल्ली में सौजन्य भेंट की। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी को भोपाल में फरवरी 2025 में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के भूमि-पूजन एवं शिलान्यास के लिये आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को राज्य सरकार द्वारा एक वर्ष में किये गये कार्यों से अवगत कराकर मार्गदर्शन प्राप्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि राज्य सरकार अपने कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण होने पर 11 दिसम्बर 2024 से 2 महत्वपूर्ण कार्यक्रम प्रारंभ कर रही है। पहला कार्यक्रम मुख्यमंत्री जन-कल्याण पर्व 11 से 26 दिसम्बर 2024 तक आयोजित होगा।

श्रीलंका ने 21 भारतीय मछुआरों को वापस भेजा

कोलंबो। श्रीलंका ने 21 भारतीय मछुआरों को वापस भेज दिया है। कोलंबो में मौजूद भारतीय मिशन के अनुसार, श्रीलंकाई नौसेना ने इसके जलक्षेत्र में कथित तौर पर अवैध शिकार करने के आरोप में इन मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया था। दोनों देशों के मछुआरों को अनजाने में एक-दूसरे के जलक्षेत्र में घुसने के लिए अक्सर गिरफ्तार किया जाता रहा है। श्रीलंका में भारतीय उच्चायोग ने सोमवार को एक्स पर एक पोस्ट में जानकारी दी कि 21 भारतीय मछुआरों के एक समूह को श्रीलंका से सफलतापूर्वक वापस भेज दिया गया है। वे फिलहाल अपने घर वापस जा रहे हैं। द्विपक्षीय संबंधों में मछुआरों का मुद्दा एक विवादास्पद विषय रहा है।

किसान सम्मान यात्रा निकालेगी कांग्रेस

किसानों की समस्याओं को बड़े स्तर पर उठाने की तैयारी

लखनऊ। यूपी में कांग्रेस को दुबारा खड़ी करने के लिए पार्टी बड़ा अभियान चलाने जा रही है। पार्टी मध्य जनवरी में उत्तर प्रदेश किसान सम्मान एवं न्याय पदयात्रा निकालने की तैयारी कर रही है। इस यात्रा में पूरे प्रदेश के हर जिले में पहुंचकर पार्टी किसानों के मुद्दे उठाएगी और उन्हें अपने साथ जोड़ने की कोशिश करेगी। इसे पार्टी की 2027 यूपी विधानसभा की तैयारी से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

लखनऊ में कांग्रेस पार्टी के कार्यालय पर आगामी तीन जनवरी को एक बड़ी बैठक कर इस यात्रा को अंतिम रूप दिया जाएगा। इस बैठक में पार्टी के प्रदेश स्तर के प्रमुख नेता और केंद्रीय इकाई से कुछ नेता भाग ले सकते हैं। इस बैठक में यात्रा के स्वरूप, रूट और प्रमुख मुद्दों की पहचान की जाएगी। इसके बाद इसे व्यापक रूप से जनता के बीच पहुंचाने का काम किया जाएगा।

कांग्रेस पार्टी किसानों के मुद्दे पर मुखर रही है। राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा में भी किसानों के मुद्दे को पुरजोर तरीके से उठाया था। किसान आंदोलन के दौरान भी उन्होंने किसानों को अपना पूरा समर्थन दिया था। कांग्रेस को जिस तरह हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना में चुनावी लाभ मिला था, कांग्रेस के रणनीतिकार मानते हैं कि यह कांग्रेस की इसी नीति का परिणाम था।

अब कांग्रेस के लिए 2027 का यूपी विधानसभा चुनाव बहुत महत्त्वपूर्ण होने जा रहा है।

बुजुर्गों का सम्मान, हमारी महान संस्कृति की धरोहर : राज्यपाल

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि माता-पिता, बड़े-बुजुर्गों का सम्मान हमारी महान संस्कृति की धरोहर है। उनके प्रति आदर और संस्कार घर से ही विकसित होते है। उन्होंने रामायण में उल्लेखित माता-पिता और बुजुर्गों के सम्मान पर आधारित प्रसंगों का जिक्र भी किया। राज्यपाल श्री पटेल अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस के अवसर पर प्रशासनिक अकादमी में आयोजित कार्यकम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मध्यप्रदेश राज्य मानव अधिकार आयोग की विषय पर आधारित वरिष्ठ नागरिकों की देख-भाल, सुरक्षा, सामाजिक जिम्मेदारी, कानूनी सुरक्षा और मानव

अधिकार 'स्मारिका' का लोकार्पण भी किया।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि बढ़ती उम्र के साथ बुजुर्गों को अपने खान-पान और सेहत का विशेष ध्यान रखना होता है। परिजन बुजुर्गों के प्रति हमेशा संवेदनशीलता और कृतज्ञता का भाव रखे। उन्होंने मानव अधिकारों के संरक्षण के प्रति जनजागरण के प्रयासों के लिए आयोग को साधुवाद दिया।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि मानव अधिकार नैसर्गिक अधिकार है। ये अधिकार व्यक्ति का स्वाभिमान, सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित करते है। इन अधिकारों तक समाज के अंतिम कड़ी के व्यक्ति की सुलभ पहुँच हो, इसकी जिम्मेदारी सरकार के साथ समाज के प्रत्येक व्यक्ति की भी है। उन्होंने कहा कि राज्य मानव अधिकार आयोग की भूमिका, मानवाधिकारों के रक्षक और संरक्षक के रूप में है। आयोग वंचित और गरीब वर्ग की आशा और विश्वास के केन्द्र में है। सरकार और समाज का मार्गदर्शक भी है।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि बुजुर्गों का सम्मान, हमारे संस्कारों और संवेदनशीलता से जुड़ा विषय है। वरिष्ठ नागरिक, हमारे परिवार और समाज के लिए धरोहर होते है, अनुभव का खजाना होते है। उन्होंने 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान योजना का लाभ देने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आभार माना।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि बुजुर्ग चलते-फिरते इनसाइक्लोपीडिया होते हैं। उनके पास जीवन के हर क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं के समाधान का अनुभव है। बुजुर्ग शारीरिक रूप से कमजोर हो सकते हैं, लेकिन उनका अनुभव अमूल्य है। युवाओं को चाहिए कि वे बुजुर्गों के सान्निध्य में रहें, उनके अनुभव का लाभ लें और उन्हें सम्मान दें। वरिष्ठ नागरिकों की उपस्थिति न केवल परिवार की ताकत है, बल्कि समाज की भी अमूल्य धरोहर है। उनकी सेवा और सम्मान ही हमारी संस्कृति का आधार है।

6 साल से जिला योजना समिति की नहीं हुई बैठक, रुका विकास का पहिया

प्रभारी मंत्री ने डबल इंजन सरकार की गिनाई उपलब्धियां, जल जीवन मिशन में गड़बड़ी किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं

सिंगरौली

तीन दिवसीय दौरे पर आई जिले की पालक मंत्री और पीएचई विभाग मंत्री संपतिया उइके ने जेपी नगरी पावर प्लांट का भ्रमण, 4 करोड़ 62 लाख की लागत से विद्युत सब स्टेशन हर्रहवा का लोकार्पण, बैढ़न सरस्वती शिशु मंदिर में बच्चों से संवाद के बाद हम होंगे कामयाब कार्यक्रम का समापन कार्यक्रम में शामिल हुई। वहीं कलेक्ट्रेट में अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। लेकिन इस बीच करीब 6 साल से जिला योजना समिति की बैठक नहीं होने से जिले के विकास का पहिया रुकता नजर आ रहा है। तो वहीं अब प्रभारी मंत्री के दौरे पर की जा रही समीक्षा बैठक पर सवाल खड़े होने लगे है। सवाल यह है कि जब योजना ही नही बन रही तो समीक्षा किस काम की हो रही है।

गौरतलब है कि सरकारे जिला योजना समिति की बैठक कर यह तय करती थी कि कौन सा विकास कार्य पहले किया

जाना है और कौन सा काम बाद में होगा यह जिले में ही तय होता था। जिला योजना समिति प्राथमिकताएं निर्धारित करती थी। लेकिन जिले में करीब 6 साल से जिला योजना समिति की बैठक ही नहीं हुई तो मंत्री महोदया किस काम की समीक्षा कर रही है। जबकि जिला योजना समिति की बैठक नही होने से जिले के विकास की परिकल्पना करना ही बेकार है। वही प्रभारी मंत्री ने कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर विकास कार्यों सहित सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए विभाग बार समीक्षा की। समीक्षा के बाद पत्रकारों से रूबरू हुई। जिला योजना समिति की बैठक नहीं होने के सवाल पर प्रभारी मंत्री ने कहा कि कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला को निर्देशित की हूं जल्द ही योजना समिति के चुनाव होंगे और जो सदस्य मनोनीत होंगे वह योजना समिति के सदस्य होंगे और जल्दी योजना समिति की बैठक होगी। आगे उन्होंने कहा कि जिले में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन हो रहा है। हमने आज सीधी सिंगरौली नेशनल हाईवे निर्माण सहित प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क जल जीवन मिशन योजना की समीक्षा, ग्रामीण इलाकों में बिजली से संबंधित योजनाओं की समीक्षा की है। जहां 74 ट्रांसफार्मर बंद थे जिसमें 67 ट्रांसफार्मर को चालू करवाया गया। इसके अलावा जिले में चल रहे भू अर्जन एवं पुनर्वास से लंबित प्रकरण के बारे में जानकारी ली है। इसके अलावा स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति सहित आदिवासी छात्रावास के भवनों के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली है। बैठक में जिला कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला, एसपी मनीष खत्री, सिंगरौली विधायक रामनिवास शाह, देवसर विधायक राजेंद्र मेश्राम, सिहावल विधायक विश्वामित्र पाठक सहित सभी विभाग के प्रमुख अधिकारी मौजूद रहे।

डबल इंजन सरकार की गिनाई उपलब्धियां

पालक मंत्री और पीएचई विभाग मंत्री संपतिया उइके ने केंद्र की मोदी सरकार और राज्य की मोहन सरकार को डबल इंजन की सरकार कहते हुए उपलब्धियां गिनाई। मध्य प्रदेश सरकार के एक साल पूरा होने पर कहा है कि युवा, नारी, किसान और गरीब के कल्याण एवं विकास के लिये प्रदेश में 11 दिसम्बर से 26 जनवरी, 2025 तक मुख्यमंत्री जन-कल्याण अभियान चलाया जायेगा। इसमें केन्द्र और राज्य सरकार की शत-प्रतिशत सैचुरेशन की चिन्हित हितग्राही मूलक योजनाओं और लक्ष्य प्रदान की गयी योजनाओं के हितग्राहियों को लाभान्वित किया जायेगा। साथ ही राज्य शासन की एक वर्ष की उपलब्धियों को प्रदर्शित भी किया जायेगा। वहीं नगरीय निकायों में अगले तीन साल में गीता भवन बन कर तैयार हो जाएंगे। गीता जयंती महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

जल जीवन मिशन में गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं

प्रभारी मंत्री ने केंद्र सरकार हर घर तक पानी पहुंचाने के लिए जल जीवन मिशन चला रही है। यह सरकार की महत्वाकांक्षा योजना सिर्फ पाइप लाइन के जरिए हर घर तक पानी की सप्लाई की जानी है काम में देरी हुई है लेकिन आने वाले समय में इसका लोगों को सीधा लाभ होगा। वही काम में गड़बड़ी के सवाल पर प्रभारी मंत्री ने कहा कि किसी भी कीमत पर योजना में भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और जिम्मेदारों की खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी।

एएसपी ने साप्ताहिक जनरल परेड का किया निरीक्षण

सिंगरौली। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिंगरौली शिव कुमार वर्मा ने पुलिस लाईन पचौर में साप्ताहिक जनरल परेड का निरीक्षण किया । प्रात: 8 बजे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक का पुलिस लाईन पचौर में आगमन हुआ। जनरल परेड के दौरान सर्वप्रथम परेड की सलामी दी गई तत्पश्चात प्लाटूनों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा उत्तम वेशभूषा, टर्न आऊट के लिये अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशंसा एवं ईनाम दिये गये इसके बाद मार्चपास्ट करते हुये सलामी दी गई । इसी क्रम में थानो से आये वाहनो का निरीक्षण किया गया एवं वाहनों के बेहतर रख-रखाव एवं रन डायरी को दुरूस्त रखने के निर्देश दियें गयें। तत्पश्चात अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नें पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियो कि समस्यओ को गंभीरतापूर्वक सुना एवं त्वरित निराकरण की कार्यवाही की गई साथ ही परेड मे उपस्थिति अधिकारी एवं कर्मचारियों को बेहतर अनुशासन में रहने एवं स्वास्थ्य के प्रति सजग व सचेत रहने की समझाइश दी गई एवं पुलिस लाईन की प्रधान लेखक कक्ष, शस्त्रागार शाखा, स्टोर शाखा व वाहन शाखा का निरीक्षण किया गया।जनरल परेड में नगर पुलिस अधीक्षक विंध्यनगर पीएस परस्ते, डीएसपी महिला सुरक्षा शाखा अरुण सोनी, एसडीओपी चितरंगी आशिष जैन, रक्षित निरीक्षक केशव सिंह चौहान, सूबेदार आशिष तिवारी पुलिस अधीक्षक कार्यालय, पुलिस लाईन एवं थाना चौकी क्षेत्र के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे है।

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन ने गरीब बस्तियों में जाकर ऊनी वस्त्र का किया वितरण

सिंगरौली। विश्व मानवाधिकार दिवस के उपलक्ष्य में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन के पदाधिकारियों द्वारा सोमवार सुबह सिंगरौली नगर निगम वार्ड क्रमांक 1 सीटीईआई अंतर्गत गरीब बस्ती में जाकर छोटे बच्चों को ऊनी वस्त्र का वितरण किया। इस दौरान संगठन के राष्ट्रीय महासचिव अमित तिवारी ने बताया कि सोमवार रात भी रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड एवं मोरवा के अन्य चौराहों पर जाकर जरूरत मंदों को कंबल वितरण का कार्य किया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि कंबल वितरण का यह कार्यक्रम एक महीने तक अनवर्त जारी रहेगा। अमित तिवारी ने बताया कि क्षेत्र में ऐसे कई गरीब परिवार हैं जिन्हें इस कड़कड़ाती ठंड में पर्याप्त वस्त्र नहीं मिल पाता है। जिसे देखते हुए अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन के पदाधिकारियों ने यह सुनिश्चित किया है कि ऐसे स्थान पर जाकर ऊनी वस्त्र एवं कंबल का वितरण किया जाना चाहिए। इस अवसर पर मुख्य रूप से अमित तिवारी समेत प्रदेश महासचिव सतेंद्र पासवान, जिलाध्यक्ष सुशील वर्मा, महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष सुशीला सिंह, संभाग उपाध्यक्ष घनश्याम अग्रहरि, शिक्षा सेल के संभाग अध्यक्ष राहुल सिंह, संभाग उपाध्यक्ष प्रमोद तिवारी, जिला मीडिया प्रभारी रविंद्र त्रिपाठी व प्रमोद द्विवेदी मौजूद रहे।

मोरवा थाने में आयोजित हुई जनसुनवाई

सिंगरौली। सिंगरौली पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री के निर्देश एवं एसडीओपी कृष्ण कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में सोमवार सुबह मोरवा थाने में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान थाने में मोरवा निरीक्षक कपूर त्रिपाठी समेत थाने के विभिन्न क्षेत्रों की बीट प्रभारी व पटवारी गोविंद चौरसिया समेत कई हल्का के पटवारी भी मौजूद रहे। गौरतलब है कि इस दौरान जनसुनवाई में जहां 2 मारपीट समेत 10 जमीन संबंधी कुल 12 प्रकरण आए। जिसमें मारपीट के मामलों में सुलह करने की पहल करते हुए जमीन संबंधी मामलों में थाना क्षेत्र के खिरवा, मढौली, बिरकुनिया एवं चकरिया के पटवारी से जानकारी लेकर निरीक्षक कपूर त्रिपाठी ने फरियादियों को प्रकरणों की जांच कर जल्द ही निराकरण का भरोसा भी दिलाया।

सरई तहसीलदार ने आयोजित किया जनसुनवाई,राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त जनसुनवाई

सिंगरौली। जमीन संबंधी विवादों के निराकरण हेतु कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक सिंगरौली द्वारा नवीन नवाचार किया गया। जिसके तहत जमीन संबंधी विवादों के निराकरण हेतु तहसीलदार एवं थाना प्रभारी की उपस्थिति में जनसुनवाई किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। तहसीलदार सरई चंद्रशेखर मिश्रा द्वारा मंगलवार को तहसील सरई में विवादों के निराकरण हेतु तहसील परिसर में जनसुनवाई रखा गया। पुलिस विभाग की तरफ से थाना सरई से उप निरीक्षक सूर्यपाल सिंह सहायक उप निरीक्षक भदोरिया उपस्थित रहे। ग्राम पुरैल के शिवप्रसाद यादव द्वारा अपने समधी की भूमि में पुत्री एवं नाती के नाम विभाजन हेतु अनुरोध किया गया। मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता 1959 में इस प्रकार के विभाजन प्रावधान

की स्थिति नहीं होने से विधिवत पंजीकृत दस्तावेज के माध्यम से भूमि प्राप्त करने हेतु बताया गया। ग्राम गजरा बहरा के जय कुमारी साहू एवं राम जी साहू के द्वारा एक दूसरे की भूमि पर कब्जा करने की शिकायत एवं विवाद की स्थिति थी वस्तु स्थिति लिए जाने पर यह जानकारी प्राप्त हुई कि यह भूमि अनुसूचित जनजाति वर्ग की है ऐसे में उभय पक्ष का स्वत्व नहीं बनने से सक्षम न्यायालय में जाने की समझाइए दी गई। ग्राम अमहा टोला के ओंकार प्रसाद विरुद्ध राजेंद्र कुमार के विवाद में इकरारनामा के आधार पर भूमि विक्रय चाहा जा रहा था। द्वितीय पक्ष के द्वारा इकरारनामा का उल्लंघन कर अन्य व्यक्ति को भूमि विक्रय कर दी जिस पर आवेदक द्वारा आपत्ति प्रकट की गई थी। क्योंकि द्वितीय पक्ष के द्वारा पंजीकृत दस्तावेज के माध्यम से पंजीयन कार्यालय में रजिस्ट्री कराई जा चुकी है ऐसे में राजस्व एवं पुलिस विभाग की अधिकारिक ना होने से आवेदक को सिविल कोर्ट जाने की समझाइस दी गई है। ग्राम पुरैल के जनार्दन यादव विरुद्ध वंश पति प्रसाद कुशवाहा के प्रकरण में न्यायालय अपर कमिश्नर रीवा के प्रकरण विचाराधीन होने से उभय पक्ष को वरिष्ठ न्यायालय के आदेश अनुपालन हेतु निर्देशित किया गया। जनसुनवाई में फाटपानी के केमला प्रसाद रामसुंदर,आद्या प्रसाद विरुद्ध अशोक कुमार, राम दत्त मिश्रा अंजनी सिंह,राम जी बसोर शीतल बासोर, प्रेमकली गुप्ता स्वामी शरण गुप्ता, केश कुमारी रमाकांत शाह प्रेमलाल यादव लालमणि यादव के प्रकरण की विधिवत सुनवाई की है। कुल 11 प्रकरण प्राप्त हुए जिसमें से चार प्रकरणों का निराकरण मौके से ही कर दिया गया। शेष सात प्रकरणों में संयुक्त जांच प्रतिवेदन उपरांत कार्यवाही कीजावेगी। सनी के दौरान भारी मात्रा में आमजन राजस्व निरीक्षक श्री आर.पी.सोनी एवं पुलिस विभाग के कर्मचारी अशोक यादव, बबलू यादवमौजूद रहे। जनसुनवाई के दौरान तहसीलदार सरई चन्द्रशेखर मिश्रा द्वारा बड़ी संवेदनशीलता से आवेदकों को सुना गया एवं उचित सुझाव दिए गए। मौके पर शांति भंग होने की स्थिति में पुलिस बल को निर्देशित किया गया की प्रतिबंधात्मक कार्यवाही का इस्तगासा तैयार किया गया। अधिकतम राशि का बाउंड ओवर कराया जावे।

मछली मारने गए व्यक्ति की जल समाधि, जाल में फंसकर गई जान

सिंगरौली। रविवार देर रात बरगवां थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसा पेश आया, जहां मछली पकड़ने गए व्यक्ति की जाल में ही फंस कर मौत हो गई। बताया जाता है कि तेंदुआ निवासी लाले सिंह अपने साथी के साथ रविवार देर शाम काचन नदी में मछली पकड़ने के लिए लगाए गए जाल को देखने गया था, परंतु जब देर रात तक भी वह लौटा नहीं तो उसके साथी को किसी अनहोनी का अंदेशा हुआ। उसने आसपास के लोगों समेत बरगवां थाने में इसकी सूचना दी। देर रात को ही बरगवां निरीक्षक शिवपूजन पूजन मिश्रा ने घटना को संज्ञान में लेकर लापता व्यक्ति की तलाश शुरू कराई। इसके लिए सहायक उपनिरीक्षक विशेश्वर साकेत समेत प्रधान आरक्षक उमेश विश्कर्मा एवं नंदकिशोर बागरी को नाव से डेम के निरीक्षण पर भेजा गया, जहां घंटो की मसक्कत के बाद काचन नदी के दूसरे कोने में पहुंचकर पुलिसकर्मियों ने लापता व्यक्ति की तलाश शुरू की। और कई घंटे की मेहनत के बाद जाल में फंसे लाले सिंह पिता मटुकधारी सिंह उम्र 26 वर्ष निवासी तेंदुआ का शव बरामद कर लिया। इसके बाद व्यक्ति का पंचनामा कर पीएम हेतु भेजा गया।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित कि गई जनसुनवाई

सिंगरौली

आज मंगलवार 10 दिसबंर को पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक कार्यालय में डीएसपी अरुण सोनी ने जन सुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में डीएसपी अरुण कुमार सोनी द्वारा आयोजित की गई। जनसुनवाई में विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए आवेदको के द्वारा आवेदन पत्र समक्ष में प्रस्तुत किये गये, जिसे प्रत्येक आवेदकों से रू-ब-रू होकर उनकी शिकायतो को जनसुनवाई के माध्यम से गंभीरतापूर्वक सुना जाकर कई शिकायतो का मौके में निराकरण कराया गया तथा शेष आवेदन पत्र में वैधानिक कार्यवाही हेतु थाना प्रभारियों व चौकी प्रभारियो को निर्देशित किया गया।

गड़हरा विद्यालय में बच्चो को किया गया जागरूक

सिंगरौली। पुलिस मुख्यालय के मंशा अनुसार जेंडर आधारित हिंसा की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान हम होंगे कामयाब' का मंगलवार को अंतिम दिन था। अत: इसके तहत सिंगरौली पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री के निर्देशन पर जिले भर के पुलिस द्वारा स्कूलों समेत अन्य जगहों में पहुंचकर जेंडर आधारित हिंसा की रोकथाम के लिए जागरूकता कार्यक्रम जोरशोर से किये गए। इसी क्रम में हम होंगे कामयाब अभियान के तहत

मंगलवार को बरगवां पुलिस ने शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय संकुल केन्द्र गड़हरा में छात्रों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में बरगवां थाना प्रभारी निरीक्षक शिवपूजन मिश्रा ने छात्र-छात्राओं को लिंग आधारित भेदभाव को मिटाने, बाल विवाह रोकने, महिला-पुरूषों में समानता का भाव लाने के लिए जागरूक करते हुए बालक बालिकाओं, महिलाओं के साथ मानसिक, शारीरिक शोषण, हिंसा न हो इसके लिए परिवार, समाज में समानता का माहौल बनाने हेतु महिलाओं के साथ मानसिक, शारीरिक शोषण, हिंसा न हो इसके लिए परिवार, समाज में समानता का माहौल पैदा करना है इस दौरान गुड टच, बेड टच, पोस्को एक्ट, साइबर क्राइम से बचने आदि की विभिन्न जानकारी दी गई।

मोबाइल ऐप का उपयोग करने वाले एडवाइज़र्स की उत्पादकता में 37 प्रतिशत की वृद्धि

50 प्रतिशत बचत पॉलिसीज़ एक ही दिन में जारी की गईं

98.1 प्रतिशत एडवाइज़र्स ने मोबाइल ऐप 'आईप्रू एज' का उपयोग कर तुरंत कमीशन प्राप्त किया

सतना। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस द्वारा अपने एडवाइज़र्स के लिए विशेष रूप से पेश किए गए मोबाइल ऐप आईप्रू एज के कारण वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में उत्पादकता में 37 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिससे एडवाइज़र्स की आय में भी इजाफा हुआ है। खास बात यह है कि आईप्रू एज का उपयोग करने वाले 98.1 प्रतिशत एजेंट्स को उसी दिन कमीशन का भुगतान किया गया। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल

लाइफ चुनिंदा डिस्ट्रीब्यूटर्स को उसी दिन कमीशन का भुगतान करने वाली पहली जीवन बीमा कंपनी है। कंपनी के पास 2 लाख से अधिक एडवाइज़र्स का नेटवर्क है, और लगभग 61 प्रतिशत शीर्ष एडवाइज़र्स अब इस ऐप का सक्रिय रूप से उपयोग कर रहे हैं, जिससे उनके व्यवसाय को बढ़ाने में मदद मिल रही है। यह मोबाइल ऐप एजेंट्स के लिए चलते-फिरते कार्यालय की तरह काम करता है, जिससे वे प्रशासनिक गतिविधियों के बजाय नए व्यवसाय विकास पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। आईप्रू एज रीयल-टाइम केवाईसी ऑथेंटिकेशन की सुविधा प्रदान करता है, और इसकी ओसीआर टेक्नोलॉजी ग्राहकों को पेपरलेस खरीदारी का अनुभव देती है। यह छोटे शहरों और गांवों में काम करने वाले एजेंट्स के लिए बहुत उपयोगी है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के चीफ ऑफ सेल्स, प्रॉपराइटरी चैनल, श्री राजीव अरोड़ा, ने कहा, हमारे मोबाइल ऐप आईप्रू एज ने हमारे एजेंट्स को अपना व्यवसाय बढ़ाने में सक्षम बनाया है। यह वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में देखी गई 37 प्रतिशत उत्पादकता वृद्धि से स्पष्ट है। इसके अलावा, आईप्रू एज का उपयोग करने वाले 98.1 प्रतिशत एडवाइज़र्स को उसी दिन कमीशन का भुगतान किया गया। इन पहलों ने हमें देश का सबसे एडवाइज़र-फ्रेंडली लाइफ इंश्योरेंस प्रोवाइडर बनने में मदद की है। यह मोबाइल ऐप हमारे एजेंट्स को उनके व्यवसाय को लाभदायक रूप से बढ़ाने का समाधान प्रदान करता है।

छात्रो को भारतीय संस्कृति के संबंध में अवगत कराने में अग्रणी भूमिका का निर्वहन का रहा सरस्वती विद्यालय : श्रीमती उईके

जिले की प्रभारी मंत्री संपतिया उइके ने की सरस्वती शिशु मंदिर उमा विद्यालय बैढ़न के विद्यार्थियों के साथ चर्चा

सिंगरौली। जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती सम्पतिया उईके मंत्री मध्यप्रदेश शासन लोक स्वास्थ यत्रिकी विभाग ने जिले के प्रवास के दौरान सरस्वती विद्यालय बैढ़न बिलौजी में पहुचकर छात्र छात्राओ सें संवाद किया। उन्होंने हम होगे कामयाब पखवाड़ा के तहत छात्रो से संवाद करते हुये कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मंशानुसार लिंग आधारित हिंसा के रोकथाम के लिए सब को मिलकर सार्थक प्रयास करना होगा।

प्रभारी मंत्री ने छात्र छात्राओं से सामान्य ज्ञान, राजकीय पशु, पेड़ आदि के संबंध में सवाल पूछा। एवं बच्चो से उनकी रूचि जानकर बच्चो के अनुशासन की तारीफ करते हुयें कहा कि अनुशासन में रहकर अध्यान करें मंजिल अपने आप मिल जायेगी। उन्होंने बच्चो की हौसलाफजाई करते हुये कि कहा कि

आप सब भारत के भविष्य है। प्रधानमंत्री जी के नए भारत के सपने को साकार करने में आप सभी का योगदान रहेगा। इसलिए मन लगाकर पढ़ाई करे अपनी मनचाही मंजील प्राप्त करने का सार्थक प्रयास करे।प्रभारी मंत्री ने महिला सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर रोशनी डालते हुए आत्मरक्षा, कानून और जागरूकता के महत्व के संबंध में छात्र छात्राओं को समझाया तथा बताया कि महिलाओं को अपने अधिकारों और सुरक्षा के प्रति सतर्क रहना चाहिए और समाज को एकजुट होकर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। परिवार और समाज में समानता का माहौल बनाकर बेटे-बेटी के बीच भेदभाव समाप्त करें। महिलाओं का समाज, सरकार और कानून सभी का समान रूप से योगदान आवश्यक है, तभी एक बेहतर समाज का निर्माण हो पाएगा। इस अवसर पर रामनिवास शाह विधायक सिंगरौली, राजेंद्र मेश्राम विधायक देवसर, जिला कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला, पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री, डीएफओ अखिल बंसल, भाजपा जिला अध्यक्ष रामसुमिरन गुप्ता, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अर्चना सिंह, वरिष्ठ समाज सेवी सुंदर शाह , राजेंद्र गुप्ता , सजन अग्रवाल , राजेंद्र गोयल, डॉ. सुशील सिंह सहित सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक छात्राएं उपस्थित रही ।

कुचवाही संकुल स्तरीय संगठन द्वारा जेंडर कैंपेन नई चेतना 3.0 अंतर्गत किया गया आजीविका गतिविधियों का आयोजन

सीधी। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज के मार्गदर्शन एवं जिला परियोजना प्रबंधक पुष्पेंद्र कुमार सिंह के निर्देशन तथा जिला जेंडर नोडल युवा सलाहकार हरी राम त्रिपाठी, जिला प्रबंधक सूक्ष्म वित्त अजय कुमार सिंह, सहायक जिला प्रबंधक प्रशांत कुमार मिश्रा, विकासखंड नोडल प्रभारी जिला प्रबंधक कृषि विजय गिरी गोस्वामी के सहयोग से नई चेतना जेण्डर आधारित हिंसा के विरूद्ध राष्ट्रव्यापी अभियान 3.0 के तहत नवसृजन सीएलएफ कुचवाही में जेंडर आधारित हिंसा उन्मूलन हेतु गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अभियान में रंगोली, जेंडर शपथ, बेटा-बेटी में भेद भाव को खत्म करने एवं बाल्य मजदूरी, दहेज प्रथा जैसे मुद्दों पर चर्चा कर कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया। साथ ही नई चेतना अभियान के तहत संवाद एवं शपथ कार्यक्रम में (प्रभारी विकासखंड प्रबंधक सिहावल अखिलेश त्रिपाठी एवं सहायक विकासखंड प्रबन्धक विनोद कुशवाहा, कुचवाही ग्राम पंचायत सचिव रत्नेश पाण्डेय उपस्थित रहे। म. प्र. डे. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला जेंडर नोडल हरि राम त्रिपाठी द्वारा बताया गया कि वास्तव में जेंडर अभियान नई चेतना 3.0 पहल समाज में बहुत अच्छा बदलाव लाने का एक अवसर है जिससे हमारे समाज में बच्चे, बूढ़े, एवं महिलाओं पर हो रहे अत्याचार को रोकने का एक अच्छा अवसर है। इन गतिविधियों के माध्यम से हम अपने घर के साथ-साथ अपने समाज को भी सजग करने का कार्य कर रहे हैं जिसका असर हम हिंसा से बचकर एक अच्छे घर और समाज का विकास कर सकेंगे। इन गतिविधियों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण के संदेश का प्रचार-प्रसार महिलाओं के बीच किया जाकर महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान नवसृजन सीएलएफ अध्यक्ष नगीना वर्मा, उर्मिला सिंह गहरवार द्वारा जेंडर शपथ दिलाते हुए पूरे अभियान को सफल बनाए जाने हेतु समूह सदस्यों को प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान रोशनी गुप्ता, ललिता गुप्ता, रश्मि गुप्ता, प्रीति सिंह, संगीता मिश्रा, ललिता मिश्रा, अरुणा सिंह, सुधा तिवारी, पूजा विश्वकर्मा, सुधा साहू एवं समूह सदस्यों की उपस्थिति में कार्यक्रम को संपन्न कराया गया।

जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत ने सुनी 120 आवेदकों की समस्याएं, निराकरण के दिए निर्देश

सीधी। नागरिकों के समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिये शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को जिला पंचायत सभागार में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक जनसुनवाई आयोजित की जाती है। इस बार आयोजित जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज द्वारा जिले के विभिन्न अंचलों से आए 120 आवेदकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर शिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त की गई तथा उसके निराकरण के लिए निर्देश दिए गए। अनिराकृत आवेदनों के लिये समय-सीमा निर्धारित कर अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। इस अवसर पर जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। आज आयोजित जनसुनवाई में समस्त उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिला स्तरीय जनसुनवाई से जुड़े रहे।

बोर्ड परीक्षा के परिणाम में सुधार हेतु लगेंगी अतिरिक्त कक्षाएं

जिला शिक्षा अधिकारी ने पत्र जारी कर आवश्यक कदम उठाये जाने हेतु दिए निर्देश

सीधी

कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं में अध्ययनरत विद्यार्थियों की वार्षिक परीक्षाएं फरवरी माह के अंतिम सप्ताह में प्रारंभ होनी है तथा इन विद्यार्थियों की प्रायोगिक परीक्षाएं भी फरवरी माह में अयोजित की जाना है। अत: वर्तमान सत्र में मात्र दो माह का समय अध्ययन हेतु शेष है। बोर्ड परीक्षा परिणाम में सुधार हेतु आवश्यक कदम उठाये जाने हेतु निर्देश जारी किए गए हैं।

एपीसी रमसा डा सुजीत कुमार मिश्र ने जानकारी देते हुए बताया कि विद्यालयों में प्रति मंगलवार उमंग, प्रति शनिवार सीसीएलई तथा अन्य कई गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। यदि किसी विद्यालय में उपरोक्त गतिविधियां पूर्ण हो चुकी है अथवा किसी विषय का अध्यापन कार्य अपूर्ण है तो

परीक्षा के समय क्या करें, क्या न करें, बोर्ड पर चस्पा होगी जानकारी

उपरोक्त गतिविधियों के स्थान पर मुख्य विषयों का अध्यापन कार्य कराया जाये। अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं के संचालन के दौरान एवं अर्धवार्षिक परीक्षा के बाद आवश्यकतानुसार अतिरिक्त कक्षाओं का संचालन किया जाये।

विद्यार्थियों को शीतकालीन अवकाश के दौरान विगत तीन वर्षो के प्रश्न-पत्रों को अभ्यास हेतु गृह कार्य के रूप में दिया जाये तथा अवकाश उपरांत उनका विषय शिक्षक द्वारा निरीक्षण कर कमजोर बिन्दुओं पर शैक्षणिक कार्य कराया जाये। विद्यार्थियों में परीक्षा के तनाव को कम करने हेतु क्या करे क्या न करे को विद्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा किया जायेगा तथा प्रार्थना सभा में चर्चा कर विद्यार्थियों के वाट्सएप ग्रुप पर साझा किया जाएगा। विद्यार्थियों को विमर्श पोर्टल पर उपलब्ध टिप्स एण्ड ट्रिक्स विडियो को दिखाया जाये जिससे वे तनाव मुक्त होकर समय का उचित प्रबंधन कर सकें।

विद्यार्थियों को विगत वर्षों में बोर्ड परीक्षाओं में अधिकतम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की उत्तर पुस्तिकाओं को दिखाकर उन्हें अधिकतम अंक प्राप्त करने हेतु मार्गदर्शित किया जायेगा। उत्तर पुस्तिकाएं बोर्ड की वेबसाइट पर तथा विमर्श पोर्टल पर उपलब्ध है। विद्यार्थियों में बोर्ड परीक्षाओं के तनाव को कम करने हेतु एवं परीक्षाओं से संबंधित अन्य शंकाओं के समाधान हेतु बोर्ड के हेल्प लाइन नं. 18002330175 को विद्यार्थियों के वाट्सएप ग्रुप पर साझा किया जाये।

हम होंगे कामयाब पखवाड़ा का हुआ समापन

सीधी। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के मार्गदर्शन में एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास आर सी त्रिपाठी की उपस्थिति में शासकीय कन्या परिसर अमरवाह सीधी में हम होंगे कामयाब पखवाड़ा अंतर्गत अंतिम कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य अखिलेश कुमार यादव, व्याख्याता दीप्ति पाण्डेय, अनिल कुमार, आर पी सिंह, राकेश सिंह एवं अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन कर किया गया एवं उपस्थित बालिकाओं को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, बाल विवाह, जेंडर समानता पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर परियोजना अधिकारी सीधी 1 आशा तिवारी, प्रशासक मंजुला तिग्गा, केस वर्कर अरुणिमा पाठक, पुष्पलता शर्मा, मंजुला मिश्रा, सुरक्षा गार्ड दिनकर तिवारी उपस्थित रहे।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए की गई सार्थक पहल

सीधी

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं के सफल क्रियांवयन एवं योजनाओं का लाभ शासन की निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार सभी पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने की दिशा में मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंशुमन राज द्वारा लगातार सार्थक कदम उठाये जा रहे हैं। इसी कड़ी में मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत संचालित योजनाओं के निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण किये जाने के उद्देश्य से मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, अति-कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा, ब्लाक समन्वयक प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना, ब्लाक समन्वयक स्वच्छ भारत मिशन के लिए साप्ताहिक भ्रमण हेतु दिन निर्धारित करते हुए स्पष्ट निर्देश दिये गये हैं कि निर्धारित दिन को योजनान्तर्गत प्राथमिकता के कार्य, शिकायतों का निराकरण एवं अन्य कार्यो का संपादन करेंगें। प्रभारी अधिकारी मनरेगा जिला पंचायत सीधी अशोक शुक्ला द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारी के निर्देशानुसार मनरेगा योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए क्षेत्र भ्रमण करते हुए पूर्व वर्षों के प्रगतिरत कार्यों को पूर्ण कराने, लेबर नियोजन में प्रगति लाने तथा वित्तीय वर्ष 2025-26 का वार्षिक लेबर बजट व कार्य योजना शासन द्वारा निर्धारित समय सीमा में तैयार करने के निर्देश दिये गये।

मंगलवार 10 दिसंबर को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा विडियो कांफ्रेस के माध्यम से समस्त अधिकारी/कर्मचारियों को इस सप्ताह के लिए लक्ष्य प्रदान किया गया है जिसके अंतर्गत सभी अति.काय. अधिकारी मनरेगा एवं उपयंत्री अपनी जनपद के बैगा परिवार वाले 2 गांवो का सर्वे करते हुए उन परिवारों की समस्याओं तथा आवश्यकताओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त करेंगें, साथ ही उनकी आवश्यकताओं के अनुसार नवीन कार्यों के लिए प्लानिंग करते हुए स्थल निरीक्षण करेंगें। सर्वे के दौरान यह सुनिश्चित किया जावे कि कोई भी बैगा परिवार मनरेगा जाबकार्ड के बिना न रहे। जिन बैगा परिवारों के जाबकार्ड नहीं बने हों, उनके नियमानुसार जाबकार्ड बनाये जाये। किसी भी परिस्थिति में किसी श्रमिक की मजदूरी किसी अन्य के खाते में न भेजी जावे। इसी कड़ी में ब्लाक समन्वयक प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना को जनपद की जनमन आवास वाली 2 टॉप ग्राम पंचायतों में भ्रमण कर आवास निर्माण कार्य में प्रगति लाने तथा मजदूरी भुगतान की समीक्षा करने के निर्देश दिये गये। ब्लाक समन्वयक स्वच्छ भारत मिशन को आई,च,ल की प्रगति लाने तथा निर्मित सार्वजनिक स्वच्छता परिसरों के संचालन हेतु कार्य करने के निर्देश दिये गये। उपरोक्त सभी अधिकारी अपने भ्रमण की प्रगति अपनी जनपद के मुख्यकार्यपालन अधिकारी को प्रस्तुत करेंगें तथा मुख्यकार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत परीक्षण उपरांत जिला पंचायत को उपलब्ध करायेंगें।

महिला सशक्त वाहिनी कक्षा का संचालन 14 दिसंबर से

सीधी। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास ने जानकारी देकर बताया है कि सीधी जिले में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत पुलिस भर्ती में चयन हेतु महिला सशक्त वाहिनी कक्षा का संचालन कर लिखित एवं पुलिस विभाग की आधारभूत संरचना का उपयोग करते हुये कमांडेट होमगार्ड द्वारा शारीरिक प्रवीणता की तैयारी हेतु युवतियों एवं बालिकाओं को नि:शुल्क प्रशिक्षण दिये जाने हेतु सीधी जिले की कुल 56 बालिकायें द्वारा दिनांक 23.09.2024 से 07.10.2024 तक (कार्यालयीन कार्य दिवसों में) कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास जिला सीधी में आवेदन प्रारूप जमा किया गया है। उक्त महिला सशक्त वाहिनी कक्षा का संचालन दिनांक 14.12.2024 से शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 01 में सुबह 08 बजे से 10 बजे तक किया जायेगा। पंजीकृत बालिकाओं को सूचित किया गया है कि निर्धारित तिथि एवं समय पर प्रशिक्षण प्राप्त करना सुनिश्चित करें।

म.प्र. शासन की अनूठी योजना

सुपर 100 योजना: सुरक्षित भविष्य के साथ शिक्षा

सीधी। एपीसी रमसा डॉ सुजीत कुमार मिश्र ने जानकारी दे कर बताया कि सुपर 100 योजनान्तर्गत प्रदेश के विद्यार्थी को चयनित कर उन्हे शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय शिवाजी नगर भोपाल एवं शासकीय मल्हार आश्रम उ.मा.वि. इंदौर में कक्षा 11वीं में प्रवेश दिलाया जाता है। यहाँ उन्हे कक्षा 11वीं एवं बाद में कक्षा 12वीं के शिक्षण के साथ ही जेईई (इंजीनियरिंग) नीट (मेडिकल) एवं क्लैट हेतु आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये 02 वर्षीय कोचिंग कराई जाती है। प्रवेश उपरांत इन विद्यार्थियों के सम्बंधित विद्यालय के छात्रावास में आवास, भोजन, शिक्षण एवं कोचिंग की नि:शुल्क व्यवस्था शासन द्वारा की जाती है। प्रदेश के शासकीय विद्यालयों के मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित 10वीं बोर्ड परीक्षा में 70 या इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी के स्थान पर "प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में कक्षा 10वीं में अध्ययनरत विद्यार्थी" को

शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय भोपाल और मल्हार आश्रम इंदौर में कक्षा 11वीं में प्रवेश का सुनहरा अवसर

शासकीय विद्यालय में 10 वीं कक्षा में अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों को दी जाएगी योजना की जानकारी

चयन परीक्षा में सम्मिलित हेतु पात्र माना जायेगा। नि:शुल्क छात्रावास सुविधा प्रख्यात व्यवसायिक संस्थाओं में प्रवेश हेतु बेहतर शिक्षण व्यवस्था पृथक-पृथक प्रयोगशालायें स्मार्ट एवं वर्चुअल क्लासेस शिक्षण हेतु चयनित स्टाफ अन्य पाठ्येत्तर गतिविधि की सुविधा मिलती है। इस योजनान्तर्गत कुल 356 विद्यार्थी अध्ययन करेंगे जिनमें गणित में 127, जीव विज्ञान में 127 एवं कामर्स में 102 सीट है। शास. सुभाष उत्कृष्ट उ.मा.वि. भोपाल में गणित विषय की 76 सीट, जीव विज्ञान विषय की 76 सीट और 51 कामर्स की सीट है। जबकि शासकीय मल्हार आश्रम उ.मा. विद्यालय इन्दौर में गणित विषय की 51 सीट, जीव विज्ञान विषय की 51 सीट और 51 कामर्स की सीट है। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ पी एल मिश्रा ने प्राचार्यों को पत्र लिख कर वर्ष 2025-26 प्रवेश परीक्षा के आयोजन के पूर्व सुपर 100 योजना के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराने और इस योजना के बारे में जानकारी देने का निर्देश जारी किया है ताकि अधिक से अधिक छात्रों को इस योजना का लाभ प्राप्त हो सके।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के औपचारिक पहचान एवं चिकित्सीय मूल्यांकन शिविर 13 दिसंबर से

सीधी। जिला परियोजना समन्वयक ने जानकारी देकर बताया है कि भारत सरकार मानव संसाधन विकास मंत्रालय नई दिल्ली एवं संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के निर्देशानुसार विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के औपचारिक पहचान एवं चिकित्सीय मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया जाना सुनिश्चित किया गया है। उक्त शिविर दिनांक 13.12.2024 से 18.12.2024 तक कुल 5 दिवसीय प्रत्येक विकासखण्डों में आयोजित किया जाना है। इस शिविर में भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिमको) जबलपुर के द्वारा बच्चों का चिन्हांकन कर उपकरण प्रदाय करने हेतु चिन्हित किया जावेगा। चिन्हित बच्चों को दो माह बाद उपकरण जैसे (ट्राईसायकिल, व्हील चेयर, बैशाखी, हियरिंगएड, ब्रेल किट, एम.आर. किट एवं अन्य आवश्यक उपकरण) वितरण शिविर आयोजित कर किया जावेगा। चिन्हांकन शिविर में जिला मेडिकल बोर्ड सभी 5 विकासखण्डों में उपस्थित होकर 6 से 14 आयु वर्ग के दिव्यांग बच्चों का परीक्षण कर मेडिकल प्रमाण पत्र तैयार कर स्थल पर ही वितरण किया जावेगा। उक्त शिविर में हितग्राहियों को अपना स्कूल का प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, आधार कार्ड की फोटो कापी एवं यूडी.आई.डी. कार्ड/मेडिकल प्रमाण पत्र तथा दो फोटो के साथ शिविर में उपस्थित होना होगा ताकि स्थल पर ही बच्चों को चिकित्सीय मूल्यांकन में उपकरण हेतु चिन्हांकन कर मेडिकल प्रमाण पत्र हेतु आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर हितग्राही बच्चों को योजनाओं का लाभ दिलाया जा सके।

एचआईवी रोकथाम के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन एडीआर सेंटर भवन सीधी में किया गया

सीधी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी श्री संजीव कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में दिनांक 10 दिसंबर 2024 को एचआईवी रोकथाम के लिए एडीआर भवन सीधी में जिला न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी श्री वीरेन्द्र जोशी की अध्यक्षता में जिला एड्स नियंत्रण समिति व ग्राम सुधार समिति के समन्वय से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उक्त शिविर में जिला न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री वीरेन्द्र जोशी ने एड्स के प्रति जागरूक होने के लिए प्रेरित किया तथा यह भी बताया कि समय-समय पर एच.आई.वी. की जांच सेहत के लिए कराना चाहिए। श्रीमती जरीना बेगम ने एचआईवी के लक्षण, एचआईवी होने के कारण एवं एचआईवी से बचाव के बारे में बताया गया। आयोजित कार्यक्रम में जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री सिद्धार्थ शुक्ला, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसल श्री देवेन्द्र प्रसाद मिश्रा, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री विनोद श्रीवास्तव, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिलस श्री सत्यप्रकाश पाण्डेय, श्री देवेन्द्र प्रसाद द्विवेदी, श्री ऋषभ सिंह, जिला चिकित्सालय सीधी के ओएसटी काउन्सलर श्री इंदल सिंह, एआरटी काउन्सलर श्री तुलसा ठाकुर, आईसीटीसी काउंसलर श्रीमती जरीना बेगम एवं श्री संतोष तिवारी, एसएसके परियोजना प्रबंधक श्री वेदान्ती प्रसाद मिश्रा एवं श्रीमती सीमा सिंह, श्रीमती फूलकली तिवारी, पूनम सिंह, गीता साकेत, विजय साकेत एंव विद्वान अधिवक्ता श्री रामभजन गुप्ता, श्री विजयचन्द्र मिश्रा, श्री सतीश उरमलिया, श्री अमरेन्द्र सिंह तथा अन्य अधिवक्तागण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन वेदान्ती प्रसाद मिश्रा ने किया तथा श्रीमती मीरा गौतम परियोजना प्रबंधक ने समस्त अतिथियों एवं गणमान्य नागरिकों का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान 11 दिसम्बर 2024 से 26 जनवरी 2025 तक

मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान में प्रत्येक पंचायत और नगरीय निकाय के वार्डों में लगेंगे शिविर

सीधी। भारत सरकार और राज्य सरकार की चिन्हित हितग्राही मूलक योजनाओ में शत-प्रतिशत सैचुरेशन एवं लक्ष्य आधारित योजनाओं को प्राप्त करने के लिए मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान 11 दिसम्बर 2024 से 26 जनवरी 2025 तक आयोजित किए जाने के निर्देश प्राप्त हुए है। कलेक्टर द्वारा आदेश जारी कर उक्त अभियान अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र एवं नगरीय क्षेत्र के लिए जिला नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किये गये है। जारी आदेशानुसार ग्रामीण क्षेत्र के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को नोडल अधिकारी एवं संबंधित मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार शहरी क्षेत्र के लिए अपर कलेक्टर जिला सीधी को नोडल अधिकारी एवं परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण सीधी को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। अभियान अंतर्गत चिन्हित हितग्राहियों की पोर्टल पर इन्ट्री की मॉनीटरिंग हेतु ग्रामीण क्षेत्र के लिए प्रभारी अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी तथा नगरीय क्षेत्र के लिए परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण सीधी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। शहरी क्षेत्रों में संबंधित निकाय के मुख्य नगरपालिका अधिकारी नोडल अधिकारी होंगे।

ग्राम पंचायत स्तरीय कलस्टर के लिए संबंधित उपयंत्री को सेक्टर अधिकारी एवं नगरीय निकाय स्तरीय कलस्टर के लिए सहायक यंत्री, उपयंत्री, राजस्व निरीक्षक (01 सेक्टर जिसमें 05 वार्ड होगे) को सेक्टर अधिकारी नियुक्त किया गया है। जनपद पंचायत स्तर के लिए सभी क्लस्टरों की मॉनीटरिंग संबंधित सहायक यंत्री, नगरीय निकायों के सभी क्लस्टरों की मॉनीटरिंग संबंधित

कलेक्टर ने आदेश जारी कर नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किये

मुख्य नगरपालिका अधिकारी करेगे। ऐसे आवेदन जिनकी स्वीकृति ब्लॉक या जिला स्तर निकाय स्तर से होना है, उनके निराकरण की जिम्मेदारी सेक्टर अधिकारी की होगी। नगरीय निकाय के लिए शिविर प्रभारी संबंधित नगरीय निकाय का वार्ड प्रभारी एवं ग्राम पंचायत के लिए सचिव ग्राम पंचायत शिविर प्रभारी होंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में हितग्राहियों से डोर टू-डोर संपर्क कर आवेदन प्राप्त करने के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर एक संपर्क दल रहेगा, जिसमें संबंधित पटवारी, कृषि विस्तार अधिकारी, एमपीडब्ल्यू, ए.एन.एम, ग्राम रोजगार सहायक, आँगनवाड़ी कार्यकर्ता/सहायिका, आशा कार्यकर्ता रहेगे। नगरीय निकायों के संपर्क दल संबंधित निकाय के सहायक राजस्व निरीक्षक, पटवारी, आँगनवाड़ी कार्यकर्ता/सहायिका, आशा कार्यकर्ता रहेगे, जो मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान अंतर्गत उल्लेखित सेवाओं हेतु पात्र हितग्राहियों का शतप्रतिशत चिन्हांकन कर पोर्टल पर प्रतिदिन इन्ट्री कराना सुनिश्चित करेंगे। संपर्क दल द्वारा धरती आबा योजना अंतर्गत लक्षित हितग्राहियों/परिवारो का गैप आईडेंटिफिकेशन का कार्य किया जाकर नोडल अधिकारी को सौंपा जावेगा, जिसके आधार पर जिले की कार्ययोजना तैयार की जावेगी।

अभियान हेतु प्रमुख विभाग के जिला प्रमुख/संपर्क अधिकारी चिन्हांकित हितग्राहियों की मॉनीटरिंग करते हुए उनकी पात्रता का परीक्षण करायेगें एवं पात्रता उपरांत संबंधित हितग्राही को योजना से लाभान्वित कराना सुनिश्चित करेगें। महिला एवं बाल विकास से आर.सी. त्रिपाठी, राजस्व मुनीद्र तिवारी, वृत्त वृजेश श्रीवास्तव, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा डॉ सुनीता तिवारी, जनजातीय कार्य विभाग डीके द्विवेदी, सामाजिक न्याय एवं नि:शक्तजन कल्याण विभाग सूरज सिंह, श्रम इन्द्रजीत सिंह, नगरीय विकास एवं आवास मिनी अग्रवाल, पशुपालन एवं डेरी एस.के. सिंह, सहकारिता दीसी वनवासी, पंचायत एवं ग्रामीण विकास प्रभुशंकर शुक्ला, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम श्रद्धा किनकर, किसान कल्याण तथा कृषि विकास संजय श्रीवास्तव, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंगल सिंह, ऊर्जा रवि गुप्ता, तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार एके तिवारी, परिवहन आशुतोष भदौरिया, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी केडी साकेत, सामान्य प्रशासन प्रशांत त्रिपाठी एवं उच्च शिक्षा पी.के. सिंह जिला संपर्क अधिकारी होंगे।

संपादकीय

मुश्किल में इंडिया.... ,चुनावी नाकामियों ने दरार बढ़ाई

महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल से आ रही खबरों से साफ होता है कि विपक्षी गठबंधन इंडिया में सब कुछ सही नहीं चल रहा। लगातार चुनावी नाकामियों से पैदा हुई बेचैनी गठजोड़ पर भारी पड़ रही है। एक-दूसरे के खिलाफ असंतोष और बयानबाजी विपक्ष के लिए बिल्कुल भी शुभ संकेत नहीं। महाराष्ट्र में सपा का शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट से नाराजगी की बात कहते हुए महविकास अघाड़ी गुट से नाता तोड़ना भले राज्य की सियासत पर असर न डालें, लेकिन इसके गहरे मायने हैं। इसी तरह, तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष और बंगाल की सीएम ममता बनर्जी का इंडिया. को लीड करने की इच्छा जाहिर करना भी बहुत कुछ कहता है। इन दोनों की नाराजगी गठबंधन के नेतृत्व और इस तरह से सीधे कांग्रेस को लेकर है। विपक्ष में सबसे ज्यादा कमी दिखाई देती है आम सहमति की। सीटों से लेकर मुद्दों तक, दोस्त दलों के बीच कहीं एकजुटता नहीं दिखती। यह बात इस शीतकालीन सत्र में भी साबित हो गई, जब अदाणी मामले पर कांग्रेस और टीएमसी ने अलग राह पकड़ ली। दरअसल, यह टकराव राष्ट्रीय राजनीति में फिर से मजबूत होने की कोशिश कर रही कांग्रेस और अपने स्पेस के लिए लड़ रहीं क्षेत्रीय सियासत की धुरंधर पार्टियों के बीच का ज्यादा है। देखा जाए तो समय-समय पर इस तरह की खबरें आती रही हैं, जो विपक्षी एकता के लिए चुनौती खड़ी कर देती हैं। कुछ अरसा पहले ही यूपी में उपचुनाव को लेकर कांग्रेस और सपा के बीच जैसी असहज स्थिति बनी थी, वैसा सहयोगियों के बीच तो नहीं होता। महाराष्ट्र इलेक्शन के दौरान भी सहयोगी दलों में तालमेल की कमी होने की बात सामने आई थी। बंगाल में पहले ही कांग्रेस और टीएमसी एक-दूसरे के विरुद्ध हैं। इसी तरह, दिल्ली में आप और कांग्रेस में गठजोड़ नहीं है। ऐसा नैशनल अलायंस समझ से बाहर है, जिसमें इतने अंतर्विरोध हों। जहां पार्टियां आम चुनाव में साथ हों, लेकिन राज्यों के चुनाव में आमने-सामने। ऐसे में इन दलों के समर्थकों की उलझन की सहज की कल्पना की जा सकती है। गठबंधन चलता है समझौतों से, जब सारे पक्ष थोड़ा-थोड़ा त्याग करें। यहां सवाल है कि कौन समझौता करेगा? अभी तक तो यही हुआ कि जहां जो दल मजबूत था, वहां उसने दूसरे सहयोगी दलों को अपने बात मनवाने की कोशिश की। कांग्रेस पर सबसे बड़ा आरोप यही है।

गीता जयंतीः सद्कर्म, स्व-धर्म और सच्चे कर्तव्य पथ की प्रेरणा

आज गीता जयंती का अवसर अद्भुत और अलौकिक ऊर्जा से परिपूर्ण है। मध्यप्रदेश में पहली बार ऐतिहासिक अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। आप सभी को गीता जयंती की मंगलकामनाएं...।

•डॉ. मोहन यादव

यह हमारा सौभाग्य है कि 8 से 11 दिसंबर 2024 की अवधि में चलने वाले इस महोत्सव में हमें गीता के ज्ञान और इसके महत्व को जानने तथा व्यवहार में आत्मसात करने का अवसर मिला है। विरासत से विकास की संकल्पना के मूल विचार में सनातन परम्पराएं, मान्यताएं और उसके कल्याणकारी सामाजिक परिणाम रहे हैं। इसी क्रम में गीता जयंती के अवसर पर मध्यप्रदेश में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य भगवान श्रीकृष्ण के जीवन के विविध पक्षों और श्रीमद्भागवद गीता के सार्थक संदेशों से नागरिकों को अवगत करवाना है। सौभाग्य की बात है कि मध्यप्रदेश गीता के सस्वर पाठ का विश्व रिकार्ड स्थापित कर रहा है। इसी श्रृंखला में विद्यालयों में गीता पर केन्द्रित क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में लाखों विद्यार्थियों ने सहभागिता की। भगवान श्रीकृष्ण ने जीवन के रहस्य की जो बात श्रीमद्भगवद गीता में समझाई है वह हम सभी के लिये पाथेय के रूप में है जो व्यक्ति, समाज और राष्ट्र निर्माण के लिये प्रासंगिक है।

भगवान श्रीकृष्ण ने पांच हजार साल पहले महाभारत की युद्ध भूमि कुरूक्षेत्र में कौरवों और पांडवों के बीच अर्जुन को कर्मयोग की शिक्षा दी जिससे पवित्र गीता का अवतरण हुआ। भगवान श्रीकृष्ण द्वारा जो बातें कही गईं वह आज भी सम-सामयिक है। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने जिस गीता भाष्य की रचना की थी उसे क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद, शहीद भगत सिंह, राजगुरु आदि क्रांतिवीर अपने पास रखते थे। गीता भाष्य से प्रेरणा लेकर क्रांतिकारियों ने देश की स्वतंत्रता के लिये संघर्ष किया। गीता हमारे लिये न केवल पवित्र ग्रंथ है बल्कि जीवन की सार्थकता सिद्ध करने का मार्ग भी है।

गीता का मध्यप्रदेश से गहरा संबंध है। भगवान श्रीकृष्ण विद्याध्ययन के लिये मध्यप्रदेश की उज्जैन नगरी आये थे। यहां महर्षि सांदीपनि आश्रम में उनकी शिक्षा-दीक्षा हुई थी, इसी धरती पर उन्हें सुदर्शन मिला। श्रीमद्भगवद गीता आज भी पूरे संसार के लिये एक अद्भुत ग्रंथ है। संसार के लगभग प्रत्येक देश ने अपनी स्वभाषा में गीता का अनुवाद किया और विश्वविद्यालयों ने शोध किया। व्यक्तित्व विकास की आधुनिक पुस्तकों में ऐसा कोई सूत्र नहीं जिसका वर्णन श्रीमद्भगवद गीता में न हो। श्रीमद्भगवद गीता भारतीय दर्शन और चिंतन का मूल आधार है, जो सत्कर्म के माध्यम से मनुष्य को अपने में ही दिव्यता का अनुभव करा देती है। यह समस्त मानव समाज को स्व-धर्म का आत्मबोध देती है और सच्चे कर्तव्य पथ की ओर प्रशस्त करती है।

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणा से प्रदेश के प्रत्येक नगरीय निकाय में गीता भवन केन्द्र स्थापित किये जा रहे हैं। यह भवन गीता के ज्ञान को साझा करने का महत्वपूर्ण स्थान होगा। यहां होने वाले विचार-विमर्श से लोगों के जीवन और व्यवहार में बदलाव आयेगा। हमने प्रदेश के सभी विकासखण्डों में एक गांव को चयनित कर वृंदावन गांव के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। इन गांवों के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों और सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाया जायेगा। वृंदावन गांव में जहां एक ओर प्राचीन संस्कृति को पुष्पित और पल्लवित किया जायेगा, वहीं दूसरी ओर जैविक खेती और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा दिया जायेगा।

रामायण और श्रीमद्भगवद गीता हमारी राष्ट्रीय धरोहर हैं। हमारी युवा पीढ़ी को इन धर्म ग्रंथों के बारे में जानना आवश्यक है। इनके ज्ञान से अपने व्यक्तित्व और भविष्य को परिष्कृत किया जा सकता है। भारतीय ज्ञान परंपरा का समावेश करते हुए पाठ्यक्रमों में रामायण और गीता वैकल्पिक विषय के रूप में शामिल की गई हैं। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों को गीता का ज्ञान भी दिया जा रहा है, जो धरातल पर भी दिखाई दे रहा है। प्रदेश के स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के एक हाथ में श्रीमद्भगवद गीता है तो दूसरे हाथ में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की पुस्तकें। यह बदलाव बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण से लेकर भविष्य निर्माण की महत्वपूर्ण कड़ी है।

श्रीमद्भगवद गीता में कुल 700 श्लोक हैं। इनमें 574 श्रीकृष्ण उवाच अर्थात् भगवान श्रीकृष्ण ने कुल 574 श्लोकों में जीवन का संदेश दिया है। व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र के साथ संपूर्ण प्रकृति और सृष्टि के जीवन के सभी विषय,हर समस्या का समाधान इन श्लोकों के सूत्रों में है। भगवान श्रीकृष्ण ने जीवन की सफलता केलिये अपने धर्म के पालन और एकाग्रता के साथ कर्मशीलता पर ही बल दिया है।

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि॥ (2/ 47)

अर्थात् तुम्हारा अधिकार केवल कर्म पर है, कर्म के फल पर नहीं... इसलिए फल की चिंता किये बिना कर्म को ही कर्तव्य मानकर कार्य करो, उसी पर तुम्हारा अधिकार है।

गीता के अध्याय दो के इस श्लोक में किसी व्यक्ति के जीवन की सफलता का ही नहीं, समाज और राष्ट्र के विकास का भी यही सूत्र है। मनुष्य को अपना पूरा ध्यान अपने कर्म और कर्तव्य पर ही लगाना चाहिए। यदि व्यक्ति का समर्पण कर्तव्य के प्रति है तो उससे कोई अनुचित कार्य नहीं होगा और यदि पूरी आयोजना के साथ कर्म आरंभ किया है तो उसकी शत-प्रतिशत सफलता निश्चित है तब क्यों परिणाम के प्रति चिंतित होना चाहिए।

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि श्रीमद्भगवद गीता की प्रेरणा से मध्यप्रदेश ने अपनी विकास यात्रा आरंभ की है। मध्यप्रदेश सरकार का संकल्प है विकास के साथ विरासत। इसीलिए एक ओर जहां विकास के लिये बहुआयामी योजनाओं पर काम हो रहा है वहीं भावी पीढ़ी के निर्माण और उन्हें अपने कर्म-कर्तव्य की प्रेरणा देने के लिये विरासत को भी संजोया जा रहा है। मध्यप्रदेश के विभिन्न स्थानों में योगेश्वर और कर्मेश्वर भगवान श्रीकृष्ण की स्मृतियां बिखरी हुई हैं। उज्जैन के सांदीपनि आश्रम में शिक्षा ग्रहण, महू के पास जानापाव में भगवान परशुराम से भेंट, धार जिले के अमझेरा में रुक्मणी वरण और शौर्य का प्रदर्शन आदि स्थानों में उनके स्मृति चिन्ह हैं। मध्यप्रदेश सरकार ने श्रीकृष्ण पाथेय निर्माण करने का संकल्प लिया है। इस पाथेय में उन सभी स्थानों को जोड़ा जा रहा है जहां भगवान श्रीकृष्ण का आगमन हुआ। यह सब एक तीर्थ के रूप में विकसित होंगे और इन स्थानों पर भगवान श्रीकृष्ण की लीला, शिक्षा एवं श्रीमद्भगवद गीता के संदेश उकेरे जायेंगे ताकि वर्तमान पीढ़ी उनके संदेशों को समझकर अपना जीवन सार्थक कर सके।

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव हमारे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर का उत्सव है। मेरा प्रदेश के सभी नागरिकों से आग्रह है कि वे गीता की अमूल्य शिक्षा तथा मूल्यों से प्रेरणा लें, अपने जीवन में आत्मसात करें औरअपने विकास के साथ विकसित मध्यप्रदेश निर्माण की संकल्पना को आधार प्रदान करें।

आप सभी को पुनश्च गीता जयंती की हार्दिक बधाई...

(लेखक, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

शिक्षा की मजबूत बुनियाद पर खड़ा होगा विकसित भारत

(अनिता करवाल, पूर्व सचिव, स्कूल शिक्षा, भारत)

अगर हम आज यह लेख पढ़ पा रहे हैं, तो हमें अपनी स्कूली शिक्षा के शुरुआती पांच वर्षों का आभार मानना चाहिए। स्कूल के पहले दिन को याद करें- घबराहट, अनजाना माहौल, माता-पिता से आंसुओं के साथ विदा होना। साथ ही, एक नए दौर की प्रत्याशा। किसने सोचा था कि इन्हीं पांच वर्षों में जो हमने पढ़ना, लिखना और अंकगणित सीखा, उसी के कारण हमें सफलता मिलेगी।

बुनियादी शिक्षा का सशक्त होना सबसे जरूरी है। इसी दिशा में दूरदर्शी सुधार है राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, जिसने साक्षरता व संख्यात्मकता को पूरी शिक्षा प्रणाली की नींव के रूप में स्थापित किया है। इस नीति के कारण निपुण भारत अभियान का जन्म हुआ, जिसका उद्देश्य 2027 तक हरेक बच्चे को तीसरी कक्षा से पहले निपुण बनाना है। इस अभियान ने राज्यों में शिक्षण से जुड़े लोगों को सशक्त बनाते हुए व्यवस्था में बदलाव के चार मुख्य सिद्धांतों को अपनाने के लिए प्रेरित किया है।

पहला सिद्धांत है, पूरी व्यवस्था को एक स्पष्ट लक्ष्य की ओर ले जाना। उस लक्ष्य को पाने के लिए इस सिद्धांत की शुरुआत शिक्षण मूल्यांकन से होती है, ताकि यह समझा जा सके कि हमारे बच्चों की शिक्षा किस स्तर पर है। जुलाई 2021 में निपुण भारत मिशन के शुभारंभ के तुरंत बाद नवंबर 2021 में केंद्र सरकार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण हुआ। बुनियादी शिक्षा की तात्कालिकता को देखते हुए मध्य प्रदेश जैसे राज्यों ने 2022 में राज्य स्तर पर एक शिक्षा सर्वेक्षण आयोजित किया, जिसमें प्राथमिक कक्षाओं के छात्रों के वर्तमान शिक्षा स्तर का मूल्यांकन किया गया। सर्वेक्षण के निष्कर्षों के आधार पर मध्य प्रदेश ने अपने निपुण लक्ष्य निर्धारित किए। इसी तरह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिशन प्रेरणा की शुरुआत की और निपुण उत्तर प्रदेश का समर्थन किया। इससे पूरी व्यवस्था को नई ऊर्जा मिली।

दूसरा सिद्धांत है शिक्षण पद्धतियों को बेहतर बनाना। इस लक्ष्य को पाने के लिए अध्यापकों के पेशेवर विकास पर ध्यान देना जरूरी है। ऐसे दिशा-

निर्देशों की पालना हुई, जिनसे कक्षाओं को अधिक आनंदमय व आकर्षक बनाया जा सके। शिक्षकों को प्रभावी रूप से प्रशिक्षित करने के लिए संसाधनों, प्रशिक्षक पैकेजों और विशेषज्ञता के साथ मास्टर प्रशिक्षकों को सशक्त बनाना जरूरी है।

तेलंगाना की अगर बात करें, तो इस मॉडल के चलते सिर्फ एक वर्ष में शिक्षण प्रभावशीलता में उल्लेखनीय 67 प्रतिशत सुधार हुआ है। ऐसे शिक्षा-प्रौद्योगिकी समाधान बन सकते हैं, जो शिक्षकों को कम समय में अधिक हासिल करने में मदद कर सकते हैं। शिक्षकों का कीमती समय बचा सकते हैं। गौर कीजिए, राजस्थान में एआई ग्रेडिंग सॉफ्टवेयर ने ग्रेडिंग के समय को दो घंटे से घटाकर केवल 20 सेकंड कर दिया है।

तीसरा, नियमित रूप से मूल्यांकन का उपयोग करके छात्रों के सीखने के नतीजों में सुधार करना। मिसाल के लिए, उत्तर प्रदेश में निपुण लक्ष्य एप के माध्यम से 1,05,000 शिक्षकों को छात्रों के नियमित मूल्यांकन में मदद मिल रही है। अंतिम सिद्धांत है, छात्रों के माता-पिता और समुदायों को उनके बच्चों की शिक्षण यात्रा में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना। बच्चे अपना 80 प्रतिशत समय घर पर बिताते हैं। ग्राम सभा और अभिभावक-शिक्षक सभा जैसे मौजूदा प्लेटफॉर्मों का उपयोग करने के अलावा, माता-पिता के साथ द्विभाषी संचार, उनके प्रशिक्षण के लिए कार्यशालाएं, घर के दौरे और सहकर्मी सहायता जैसे उपायों के माध्यम से इस समस्या का समाधान किया जा सकता है। बिहार के कुछ जिलों में ग्राम सभाओं का लाभ उठाकर माता-पिता को उनके बच्चों की शिक्षा में मदद देने के तरीकों के बारे में मार्गदर्शन दिया गया है। इसके चलते अभिभावक-शिक्षक बैठक में माता-पिता की उपस्थिति में 10-15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और स्कूलों में छात्रों की उपस्थिति में 5-10 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई।

ध्यान रहे, हमारे पास सभी के लिए समावेशी और समान गुणवत्ता वाली शिक्षा के इन चार लक्ष्यों को पूरा करने के लिए केवल छह वर्ष हैं। आज पूरा विश्व भारत को वैश्विक विकास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मान रहा है। हमें अपनी बुनियादी शिक्षा को उत्कृष्ट बनाना ही होगा, तभी हमारे बच्चे विकसित भारत के लक्ष्य तक पहुंच पाएंगे।

वर्ग पहेली 5578

संकेत: बाएं से दाएं
1. 1857 की क्रांति का पहला क्रांतिकारी जिनके सम्मान में भारत सरकार द्वारा सन् 1984 में एक डाक टिकट जारी किया गया (5)
6. जो नियम के विपरीत हो, जो ठीक न हो (3)
7. यह हंगरी देश की राजधानी है (4)
9. बैचेन, व्याकुल (3)
10. कला आदि सिखलाने वाला व्यक्ति, नवग्रहों में से एक (2)
11. जिसका कद छोटा हो, ठिगना, बौना (2)
13. सूजी, अत्यंत महीन कण (2)
14. पुराणानुसार ये श्रीराम के अनुज भरत के ज्येष्ठ पुत्र थे जिन्होंने गांधार में तक्षशिला नगरी स्थापित की थी (2)
16. गंतव्य स्थान, निशाना (2)
17. शास्त्रीय संगीत में पंचम स्वर (1)
18. परिज्ञात, संज्ञात, विदित, ज्ञात (3)
20. यह वाराणसी का पुराना नाम है (2)
21. बांस आदि का छोटा टुकड़ा (3)
23. इंदीवर, नीलोफर, राजीव (5)
24. केशलता, बालों का गुच्छा जो गाल पर लटके (2)

ऊपर से नीचे
1. किसी मंगल उत्सव में किया जाने वाला नांदी पाठ (6)
2. बात (पंजाबी) (2)
3. दुर्व्यसन, चसका, बुरी आदत, कुर (2)
4. वह किताब या डायरी जिसमें प्रतिदिन की कार्यवाही का विवरण लिखा जाता है (3)
5. धूल या चाक आदि से लिखा हुए को मिटाने वाला (3)
8. फेंकना, छोड़ना, घुमाना (3)
9. ये लेबनान देश की राजधानी है (3)
12. बहाने बाजी, हीला-हवाला (5)
15. क्षमा करने वाला, सहनशील (4)
19. यह कार्य का मालक है (2)
20. कार्य, काज, मतलब, उद्देश्य, इंद्रिय सुख की इच्छा (2)
22. पटसन का बना हुआ मोटा कपड़ा (2)

वर्ग पहेली 5577 का हल

स्मृ	ति	में	धा	ना		धे	रू
ति		दि	न	क	र		वि
ई		व		में	में	ह	
रा	ल		क	द	म		ब
नी	च	ता		म		ग	या
	र	न		हो	ति	या	र
मी		से		ना	क	ना	
सा	व	न			वा		

जीवन चलने का नाम

(अक्षय शुक्ला)

लंबे समय से लाइमलाइट से दूर रहे क्रिकेटर से राजनेता बने नवजोत सिंह सिद्धु अपने एक बयान के बाद बड़े विवाद में घिर गए हैं। सिद्धु ने दावा किया कि कच्ची हल्दी, नीम की पत्तियों, आंवला, तुलसी आदि के सेवन से उनकी पत्नी का स्टेज फोर कैंसर ठीक हो गया। उनके बयान पर देशभर के कैंसर विशेषज्ञों ने कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि इसके कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं हैं, कैंसर पीड़ित अपने इलाज के लिए डॉक्टर की बात ही मानें। छत्तीसगढ़ की एक संस्था ने तो सिद्धु को 850 करोड़ रुपये का कानूनी नोटिस भिजवा दिया।

दरअसल, सारा विवाद सिद्धु के एकतरफा दावे की वजह से खड़ा हुआ। अगर वह कहते कि डॉक्टरों की मेहनत के साथ-साथ कंट्रोल्ड डाइट ने काफी मदद की तो शायद इतना बवाल नहीं मचता। उनकी पत्नी का इलाज करने वाले डॉक्टर भी सामने आकर बताते कि इलाज का कितना बड़ा योगदान रहा, तो चीजें और स्पष्ट हो जातीं।

खैर, एक्सपर्ट्स यह ज़रूर कह रहे हैं कि उचित खानपान कैंसर के इलाज का महत्वपूर्ण हिस्सा है लेकिन सिर्फ इससे ही बीमारी ठीक करने का दावा करना एकदम गलत है। पोषक आहार और लो फैट डाइट बॉडी टिश्यू को स्वस्थ रखने व बीमारी से लड़ने की शक्ति देते हैं, पर ये सब भी हर तरह के कैंसर पर लागू नहीं होता।

चौतरफा घिर चुके सिद्धु तो दोबारा सामने नहीं आए, लेकिन यह विवाद देश भर में चर्चा का विषय ज़रूर बन चुका है। सोशल मीडिया पर संतुलित आहार से बीमारी भगाने के नुस्खों के विडियो की भरमार हो चुकी है। हाल में एक्ट्रेस विद्या बालन ने भी कहा था कि वज़न कम करने के सारे उपाय नाकाम होने के बाद एक स्पेशल डाइट रूटीन से उन्हें काफी फायदा हुआ।

बहुत से लोगों को लगने लगा है कि खानपान पर कंट्रोल करके, चीनी की जगह गुड़ के सेवन या चावल उबालकर खाने से मधुमेह जैसी बीमारियों से बच जाएंगे। अरे भाई, अगर आप कोई शारीरिक श्रम ही नहीं करेंगे, ज़रा भी पसीना नहीं बहाएंगे तो फायदा कैसे होगा? जीवनशैली ठीक नहीं रखेंगे तो किसी भी तरह का भोजन असर नहीं करेगा।

इस बीच, खुद को चिर युवा बनाने के मिशन में जुटे अमेरिका के करोड़पति टेक बिज़नेसमैन ब्रायन जॉनसन ने इस बहस को और गर्म कर दिया है। बढ़ती उम्र रोकने के लिए 47 वर्षीय जॉनसन पूरी तरह प्लांट बेस्ड डाइट के साथ ही दिन भर में सौ से अधिक सप्लिमेंट्स लेते हैं। इसके लिए वह इतने सतर्क रहते हैं कि अभी भारत दौरे के दौरान वे अपने साथ छह दिन का आहार साथ लेकर आए। अपने जुनून पर सालाना करीब 17 करोड़ रुपये खर्च करने वाले ब्रायन रोज़ाना सुबह साढ़े चार बजे उठ जाते हैं और रात साढ़े आठ बजे तक बिस्तर पर पहुंच जाते हैं। बड़ी बात यह है कि दिन में 11 बजे के बाद कुछ नहीं खाते हैं।

जवान दिखने के लिए वह युवा डोनर्स का प्लाज़्मा अपने शरीर में डलवाते हैं। उनका दावा है कि उन्होंने अपने पिता को एक लीटर प्लाज्मा दिया था तो उनकी उम्र बढ़ने की रफ्तार कम हो गई थी। ऐसे में यह सवाल और गर्मा गया कि क्या ये सारे हथकंडे अपनाकर आप बढ़ती उम्र को रोक सकते हैं?

बहरहाल, कुदरत से मिली चीज़ों से ही कुदरत के नियम तोड़ने की कोशिश में जुटे जॉनसन कितने सफल होते हैं, पता नहीं, पर एक्सपर्ट ज़रूर उनके इस तरीके पर संदेह जता रहे हैं। वैसे भी, जीवन चक्र तो निरंतर आगे बढ़ते जाने के लिए बना है। इसे रोकने या पीछे करने की कोशिश के बजाय उम्र के हर पड़ाव का आनंद लेना ही ज़िंदगी का असली मकसद होना चाहिए। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

आज का राशिफल

मेष

आज करियर में लाभ के योग हैं। परिवार के साथ यात्रा हो सकती है। व्यापार में तरक्की से खुशी मिलेगी। आपके प्रयास सफल होंगे और आपको धन के मामले में लाभ के साथ करियर में तरक?की हासिल होगी। दांपत?य जीवन सुखमय रहेगा। विद्यार्थियों को मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

वृष

आज दिन शुभ होगा। किसी शुभ मांगलिक कार्य के आयोजन में भाग लेंगे। अपने जीवन स्तर को सुधारने के लिए फिलहाल आपको स्थाई प्रयोग में आने वाली वस्तुओं की ही खरीदारी करनी चाहिए। शाम के समय किसी खास मेहमान का आगमन हो सकता है।

मिथुन

आज करियर के मामले में सफलता प्राप?त होगी और आपकी तरक?की को देखकर सभी लोगों को खुशी होगी। आपकी नज़र भी अपनी उपलब्धियों पर लग सकती है।

कर्क

आज दिन काफी व?यस?तता से भरा होगा। आप हमेशा ही अपने परिवार की सलामती के लिए कटिबद्ध रहते हैं। कोई चिंता आपको परेशान कर सकती है और आपके भाग?य में वृद्धि के योग हैं।

सिंह

आज कारोबार के मामले में लाभ होगा और आपके लिए तरक?की के योग बने हैं। आपको कारोबार की चिन्ता विशेष रूप से परेशान करेगी क्योंकि पिछले काफी दिनों से व्यवसाय नियमिति नहीं है।

कन्या

आज करियर के मामले में लाभ होगा। किसी विशेष प्रकार की भागदौड़ में आपका दिन बीतेगा। उसके नतीजे भी लाभदायक होंगे। फिलहाल तो आप अपने कार्य को उत्साहपूर्वक पूरा करें। कुछ समय बाद इससे भी बेहतरीन अनुबंध आपको प्राप्त होगा।

तुला

आज करियर और धन के मामले में दिन अच्छा है। अधिकार और संपत्ति में वृद्धि होगी। दूसरों के कामों के लिए ऑफिस के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं। गुरु का सम्मान करें। नए काम में निवेश करने से न घबराएं। आपको धन के मामले में लाभ होगा और आपको कार्यक्षेत्र में सभी प्रकार का सहयोग प्राप?त होगा।

धनु

आज लाभ होगा और आपको किसी नए संपर्क से लाभ मिलेगा। आपको रुका धन कठिनाई से मिलेगा, रोजमर्रा के कामों में कोताही न बरतें। व्यवसायिक उन्नति से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। रात्रि के समय मांगलिक अवसरों में जाने का अवसर मिलेगा।

कुंभ

आज साहस और निडर होकर जो भी काम करेंगे, वह पूरा होने पर आपको अत्यधिक लाभ देगा और आपका आत्मविश्वास भी मजबूत होगा। अचानक बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति भी हो सकती है।

वृश्चिक

आज करियर के मामले में अचानक से मंगलमय समाचार मिलेगा। कार्य-व्यवसाय के क्षेत्र में आए तनाव अपने ऊपर हावी न होने दें। बनते-बिगड़ते परिवेश में नवीन योजना सफल होगी। पुराने झगड़े झंझटों से छुटकारा मिलेगा।

मकर

आज कोई मूल्यवान वस्तु मिलने की संभावना बन रही है। रोजगार की तलाश करने वाले युवाओं को आज मंगलमय समाचार मिल सकता है। अगर आप कोर्ट कचहरी के मामलों फंसे हुए हैं तो आपको राहत मिलती नजर आ रही है। पारिवारिक व वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा और भाई-बहनों का पूरा साथ मिलेगा।

मीन

आज आपको अटके धन की प्राप्ति होगी और लोगों के साथ आपके रिश्ते बेहतर होते जाएंगे, जिससे आपको तरक्की मिलने में सहायता होगी। इन राशि के जो जातक किराए पर रहते हैं, उनका कल खुद का घर लेने का सपना पूरा हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस की आपत्ति का कोई मतलब नहीं, ममता को मिले इंडिया का नेतृत्व : लालू प्रसाद यादव

पटना, एजेंसी। इंडिया गठबंधन के नेतृत्व को राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने मंगलवार सुबह पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि इंडिया गठबंधन का नेतृत्व पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को दे देना चाहिए। वहीं कांग्रेस की आपत्ति के सवाल पर उन्होंने कहा कि उनके कहने से कुछ नहीं होगा। ममता बनर्जी को ही नेतृत्व देना चाहिए। वहीं सीएम नीतीश कुमार की महिला संवाद यात्रा पर राजद सुप्रीमो ने विवादित बयान दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि वह नयन सुख के लिए जा रहे हैं। नयन सेंकने के लिए वह यात्रा पर जा रहे हैं। 2025 के विधानसभा चुनाव 225 सीटें जीतने के सीएम नीतीश के दावे के सवाल पर लालू प्रसाद ने कहा कि वह पहले वो अपनी आंख सेंक लें तब यह सब दावे करें। वह आंख सेंकने ही जा रहे हैं। इधर, 2025 के विधानसभा चुनाव को लेकर भी राजद सुप्रीमो ने बड़ा दावा कर दिया है। उन्होंने कहा कि महागठबंधन बिहार में विधानसभा चुनाव जीतने जा रहा है। पत्रकारों के सवाल पर उन्होंने कहा कि हमलोग फिर से सरकार बनाने जा रहे हैं। जनता हमलोगों के साथ है।

झारखंड में मां-बेटी को जूते की माला पहना कर घुमाया

बोकारो, एजेंसी। बोकारो के बेरमो अनुमंडल अंतर्गत गोमिया थाना क्षेत्र के सीसीएल स्वांग महावीर स्थान कॉलोनी में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। बीते रविवार की शाम को कॉलोनी के कुछ महिला-पुरुषों ने महिला मीना देवी (पति स्व परशुराम रविदास) और उसकी नाबालिग बेटी के साथ मारपीट के बाद जूते-चप्पलों की माला पहनाकर कॉलोनी में घुमाया। इसका वीडियो भी सोमवार को वायरल हुआ। बताया जाता है कि बीते नवंबर माह में कॉलोनी की ही एक किशोरी कहीं चली गई थी। हालांकि वह बाद में बेरमो थाना क्षेत्र के फुसरो में मिल गई थी। आरोप लगाया गया कि विधवा महिला व उसकी नाबालिग बेटी का ही इसमें हाथ था। हालांकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी थी। गोमिया थाना प्रभारी नित्यानंद भोगता ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। दोषियों को छोड़ा नहीं जायेगा। इधर, सोमवार को मां-बेटी गोमिया थाना पहुंचे। लिखित शिकायत में जिक्र किया कि रविवार की शाम अपने घर में थे। तभी कॉलोनी के ही कई लोग जिनमें महिलाएं भी थी, अचानक घर घुस गए। और मेरे साथ, मेरी बेटी व सास को भी गंदी-गंदी गालियां देते हुए बुरी तरह से मारपीट करने लगे। इसके बाद मुझे व मेरी बेटी को घर से घसीटते हुए बाहर ले आए। फिर जूते-चप्पलों की माला पहनाकर कॉलोनी में घूमाने लगे। जिसका विरोध करने पर संतोष रविदास, धर्मनाथ रविदास लखन रविदास ने किया तो इनके साथ भी गाली-ग्लौज व मारपीट की गई। महिला ने शंकर ऊर्फ चरका रविदास, विजय रविदास, राज कुमार रविदास, लालू रविदास, नुनुचंद रविदास व राजेश रविदास तथा चरकी देवी व ललकी देवी को नामजद आरोप बनाया है।

राहुल गांधी का काम बस तमाशा करना है और छुट्टियां मनाने विदेश जाना है : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को एक बार फिर कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तमाशा करने का आरोप लगाया। बता दें, कांग्रेस लगातार अदाणी मामले को लेकर संसद के अंदर और बाहर विरोध-प्रदर्शन कर रही है। इसी को लेकर भाजपा नेता ने राहुल की आलोचना की। रिजिजू ने राहुल गांधी की आलोचना की और उनकी विदेश छुट्टियों पर तंज कसा। केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, राहुल गांधी को तमाशा करने और प्रधानमंत्री को गाली देने में आनंद आता है। मगर, अन्य सांसदों की भी उन लोगों के प्रति जिम्मेदारी है, जिन्होंने उन्हें चुना है। उन्हें बस यहां तमाशा करना है और फिर अपनी छुट्टियों का आनंद लेने के लिए विदेश जाना है। इतना ही नहीं उन्होंने संसद के बाहर राहुल गांधी के विरोध प्रदर्शन का वीडियो भी पोस्ट किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेता को लोगों की समस्याओं की परवाह नहीं है, क्योंकि उनके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है। उन्होंने आगे कहा, समाजवादी पार्टी, टीएमसी, राज्यसभा में सभी कांग्रेस सांसद, लोकसभा में कुछ कांग्रेस सांसद और कई पार्टी सांसद वास्तव में संसद की बहस और चर्चा में भाग लेने के इच्छुक हैं। राहुल गांधी जी के पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है क्योंकि वह लोगों के दर्द और समस्या को महसूस नहीं कर सकते हैं, लेकिन अन्य सांसद करते हैं! बता दें, तृणमूल कांग्रेस पार्टी (टीएमसी) और समाजवादी पार्टी के सदस्य इस विरोध प्रदर्शन में शामिल नहीं हो रहे हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-एसपी) की सांसद सुप्रिया सुले भी सोमवार को हुए विरोध प्रदर्शन में मौजूद नहीं थीं। इससे पहले छह दिसंबर को विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा था कि उन्हें संसद के शीतकालीन सत्र में भाग लेना चाहिए और अदाणी पर जांच से डरना नहीं चाहिए। बता दें, शीतकालीन संसद का पहला सत्र 25 नवंबर को शुरू हुआ था, जिसमें व्यवधानों के कारण दोनों सदनों की कार्यवाही सही तरीके से नहीं चल पा रही है। शीतकालीन सत्र 20 दिसंबर तक चलेगा।

एक देश-एक चुनाव पर सामने आया सरकार का प्लान, संसद में बिल पेश करने की तैयारी

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार संभवत संसद के चालू सत्र या अगले सत्र में एक देश, एक चुनाव विधेयक पेश करने की तैयारी कर रही है। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ कराने के उद्देश्य से लाए गए विधेयक को पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अगुवाई वाली समिति की सिफारिशों के आधार पर कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है, जो प्रस्ताव को आगे बढ़ाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का संकेत है।

सूत्रों ने बताया कि गहन विचार-विमर्श सुनिश्चित करने और व्यापक आधार पर आम सहमति बनाने के लिए, सरकार विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजने की योजना बना रही है। जेपीसी इस परिवर्तनकारी प्रस्ताव पर सामूहिक सहमति की आवश्यकता पर बल देते हुए सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत चर्चा करेगी। सरकार का इरादा चर्चा में विभिन्न हितधारकों को शामिल करने का भी है। सूत्रों ने आगे कहा कि सभी राज्य विधानसभाओं के अध्यक्षों को बुद्धिजीवियों, विशेषज्ञों और नागरिक समाज के सदस्यों के साथ अपने विचार साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

इससे पहले बताया गया था कि देश में एक साथ चुनाव कराने की अपनी योजना को अमल में लाने के लिए सरकार द्वारा तीन विधेयक लाए जाने की संभावना है, जिनमें दो संविधान संशोधन से संबंधित होंगे। प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयकों में से एक, स्थानीय निकाय चुनावों को लोकसभा और विधानसभाओं के साथ कराये जाने से संबंधित है। इसके लिए कम से कम 50 प्रतिशत राज्यों के अनुसमर्थन की आवश्यकता होगी। अपनी एक देश, एक चुनाव योजना के साथ आगे बढ़ते हुए, सरकार ने इस महीने की शुरुआत में देशव्यापी सहमति बनाने की कवायद के बाद चरणबद्ध तरीके से लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के लिए एक साथ चुनाव कराने की उच्च-स्तरीय समिति की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया।

प्रस्तावित पहला संविधान संशोधन विधेयक, लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव एक साथ कराने का प्रावधान करने से संबंधित होगा। सूत्रों ने उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों का हवाला देते हुए कहा कि प्रस्तावित विधेयक में नियत तिथि से संबंधित उप-खंड (1) जोड़कर अनुच्छेद 82ए में संशोधन करने का प्रयास किया जाएगा। इसमें लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के कार्यकाल को एक साथ समाप्त करने से संबंधित अनुच्छेद 82ए में उप-खंड (2) शामिल किया जाएगा। इसमें अनुच्छेद 83(2) में संशोधन करने और लोकसभा का कार्यकाल और इसे भंग किये जाने से संबंधित नए उप-खंड (3) और (4) सम्मिलित करने का भी प्रस्ताव है।

अभिनेत्री पर टिप्पणी कर फंसे केरल के मंत्री वी. शिवनकुट्टी का यूटर्न

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरल के मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने मलयालम अभिनेत्री पर की गई अपनी टिप्पणी को वापस ले लिया है। दरअसल, उन्होंने आगामी राज्य स्कूल युवा महोत्सव के लिए स्वागत नृत्य और गीत की कोरियोग्राफी के लिए पांच लाख रुपये पारिश्रमिक मांगने पर एक लोकप्रिय मलयालम फिल्म अभिनेत्री की आलोचना की थी। अभिनेत्री का नाम लिए बगैर सामान्य शिक्षा मंत्री ने कहा था कि उन्होंने बच्चों को 10 मिनट का प्रेजेंटेशन सिखाने के लिए मोटी रकम मांगी थी। शिवनकुट्टी की टिप्पणी सोमवार को तब वायरल हो गई, जब टीवी चैनलों पर उनकी आवाज की क्लिप प्रसारित होने लगी। इसके बाद उन्होंने अपना बयान वापस ले लेते हुए कहा कि वह कोई अवांछित विवाद पैदा नहीं करना चाहते थे। मंत्री ने सोमवार को कहा कि मेरे संज्ञान में आया है कि कल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान मेरे कुछ बयानों का मीडिया ने व्यापक तौर पर प्रसारित किया है। इन टिप्पणियों का उद्देश्य किसी का अपमान करना या उसे ठेस पहुंचाना नहीं था। इसलिए मैं उन बयानों को वापस लेता हूं। मंत्री ने कहा कि युवा महोत्सवों में आम तौर पर मशहूर हस्तियों को आमंत्रित किया जाता है, ताकि इस आयोजन को अधिक प्रचार मिल सके और युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिले। उन्होंने कहा कि वार्षिक आयोजन के महत्व को देखते हुए मशहूर हस्तियां बिना किसी पारिश्रमिक की उम्मीद के इसमें भाग लेती हैं। शिवनकुट्टी ने विभिन्न प्रसिद्ध कलाकारों का उदाहरण दिया, जिनमें अभिनेता ममूटी, आशा शरथ, दुलकर सलमान, फहद फासिल और निखिला विमल और गायक केएस चित्रा शामिल हैं, जिन्होंने विभिन्न अवसरों पर राज्य युवा उत्सवों में हिस्सा लिया था। इससे पहले मंत्री को एक कार्यक्रम के दौरान कई कड़वी बातें कहते सुना गया था। अब इसका वॉयस क्लिप टीवी चैनलों पर प्रसारित हुआ है।

महाकुंभ के दौरान रिंग रेल से जुड़े रहेंगे प्रयागराज-अयोध्या और काशी

लखनऊ, एजेंसी। प्रयागराज के महाकुंभ में आने वाले साधू संतों,विदेश से आये मेहमानों और श्रद्धालुओं की सुविधा का योगी सरकार पूरा इंतजाम कर रही है। महाकुंभ आने वाले तीर्थ यात्री यदि प्रभु रामलला की जन्म स्थली अयोध्या और बाबा भोलेनाथ की नगरी काशी का भी भ्रमण करना चाहेंगे तो रेलवे ने इसकी राह सुगम कर दी है। इसके लिये रेलवे इन तीनों तीर्थ स्थलों के लिये रिंग रेल चलाने जा रहा है,जिससे प्रयागराज आये मेहमान, श्रद्धालु काशी और अयोध्या का दर्शन भी करेंगे। रिंग रेल कनेक्टिविटी श्रद्धालुओं की राह आसान करेगी। रिंग रेल के माध्यम से प्रयागराज, बनारस और अयोध्या को जोड़ा जायेगा। यही नहीं इसके अलावा भी श्रद्धालुओं के लिए ट्रेनों की कमी नहीं पड़ने पाए, इसके लिए अतिरिक्त ट्रेनों के रैक भी रखने की तैयारी है। यह बात वाराणसी आये रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया से रूबरू होते हुए साझा की। रेल मंत्री ने कहा कि महाकुंभ की तैयारी रेलवे तीन साल से कर रहा है। नए वेटिंग एरिया, होल्डिंग एरिया बनाए जा रहे हैं। ट्रेनों के निर्बाध परिचालन के लिए दोहरीकरण, प्लेटफार्म विस्तार, यात्री सुविधाएं बढ़ाई गई हैं। उन्होंने कहा कि महाकुंभ के दौरान 45 (13 फरवरी से 26 फरवरी) दिन के महाकुंभ के दौरान ओवरआल स्पेशल ट्रेनें 13000 फेरे लगाएंगी। इससे देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु बेहतर एहसास कर पाएंगे। रेलमंत्री ने कहा कि रेलवे ने आधुनिकीकरण की दिशा में कदम बढ़ाए है।

भाजपा बोली- केजरीवाल ने सीएम हाउस खाली नहीं किया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली भाजपा ने मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास का वीडियो जारी कर आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल ने 6, फ्लैगस्टाफ रोड का बंगला अब तक खाली नहीं किया है। भाजपा ने आरोप लगाया कि खुद को आम आदमी कहने वाले केजरीवाल ने अपने रहने के लिए शीशमहल बनवाया था। केजरीवाल कहते थे कि सरकारी घर नहीं लूंगा, लेकिन रहने के लिए 7 स्टार रिजॉर्ट बना डाला। इस महल में 1.9 करोड़ रुपए से मार्बल ग्रेनाइट, लाइटिंग, 1.5 करोड़ रुपए से मरम्मत और 35 लाख रुपए से जिम और स्पा बनावाया है।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि केजरीवाल को दिल्ली के लोगों को बताना चाहिए कि उन्होंने किस अधिकार से अपने बंगले की सजावट में पर करीब 45 करोड़ रुपए खर्च कर दिए, जबकि कोविड में जनता के विकास कार्य ठप थे। भाजपा के आरोप पर आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि वह मकान 1942 में बना था और बहुत खस्ता हालत में था। मकान की छतें टपकती थीं। कुछ तो गिर भी गई थीं। पब्लिक वर्क डिपार्टमेंट के ऑडिट के बाद ही मकान की मरम्मत कराई गई थी।

आप ने 31 विधानसभा सीटों पर प्रत्याशी घोषित कर चुकी दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए आप ने सोमवार को 20 उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी की। इसमें 17 मौजूदा विधायकों के टिकट काट दिए गए हैं। 3 प्रत्याशियों की सीट बदली गई है। पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया जंगपुरा से चुनाव लड़ेंगे। पहले वे पटपड़गंज से चुनाव लड़ते थे। आप ने यूपीएससी टीचर अवध ओझा को पटपड़गंज से उतारा है। ओझा ने

2 दिसंबर को ही पार्टी जॉइन की थी। आप की पहली लिस्ट 21 नवंबर को आई थी, जिसमें 11 उम्मीदवारों के नाम थे। इसमें भाजपा-कांग्रेस से आए 6 लोगों को टिकट दिया गया है। इनमें भाजपा के 3 और कांग्रेस के 3 चेहरे शामिल हैं। पार्टी अब तक कुल 31 सीटों पर अपने प्रत्याशी घोषित कर चुकी है। अब तक 31 प्रत्याशी घोषित, 24 के टिकट कटे आप ने अब तक 31 सीटों पर प्रत्याशी घोषित किए हैं। 2020 चुनाव में 27 सीटों पर आप जबकि 4 पर भाजपा के विधायक थे। आप ने इस बार 27 विधायकों में से 24 के यानी 89 प्रतिशत टिकट काट दिए हैं। आपने 3 विधायकों की सीट बदली है। वहीं, जिन चार सीटों पर पार्टी हारी थी, उनमें से दो पर पिछली बार हार चुके प्रत्याशी को ही दोबारा टिकट दिया है। दिल्ली विधानसभा का कार्यकाल 23 फरवरी 2025 को खत्म हो रहा है। पिछला चुनाव फरवरी 2020 में हुआ था। आप ने 70 में से 62 सीटें जीती थीं। भाजपा 8 और कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत पाई। तिमारपुर में 67 पदाधिकारियों ने इस्तीफा दिया तिमारपुर से दिलीप पांडेय का टिकट कट गया है। उनकी जगह 6 दिसंबर को भाजपा छोड़कर आप में शामिल हुए सुरेंद्र पाल सिंह बिट्टू को टिकट दिया गया है। विरोध में तिमारपुर में मंडल और बूथ स्तर के 67 पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने अपना इस्तीफा राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को सौंप दिया है।

रहस्यमय पत्थरों से बना है रामप्पा मंदिर, विज्ञान के सिद्धांत भी खा गए मात

वारंगल, एजेंसी। तेलंगाना राज्य में वारंगल के पालमपेट स्थित रामप्पा मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया गया है। इस मंदिर को यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थलों में शामिल किया था। यह मंदिर इतिहास की दृष्टि से तो महत्वपूर्ण है ही साथ में ही यह रहस्यमय पत्थरों की वजह से भी जाना जाता है। कहा यह भी जाता है कि इस मंदिर में इस्तेमाल किए गए पत्थर कहीं से लाए नहीं गए बल्कि किसी पुरानी तकनीक के जरिए इंसानों ने ही बनाए थे। इस मंदिर को हजार खंभों वाले मंदिर के तौर पर भी जाना जाता है। मार्को पोलो जब भारत आया था तब उसने इसे चमकीले सितारों वाला मंदिर बताया था। यह मंदिर करीब 900 साल पुराना है। यह भगवान शिव का मंदिर है और उसके गर्भगृह में रूद्रावतार शिव विराजमान हैं। इसे रूद्रेश्वर मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। इशके अलावा बहुत सारे लोग इसे रामलिंगेश्वर मंदिर भी कहते हैं। क्या है मंदिर के पीछे की कहानी 1213 ईस्वी के आसपास काकतीय साम्राज्य के

दौरान रेचारला रूद्र ने इस मंदिर का निर्माण करवाया था। वह काकतीय राजा गणपति देव के सेनापति थे। गौर करने वाली बात यह है कि मंदिर का नाम इसके शिल्पकार रामप्पा के नाम पर हीरखा गया है। दरअसल सेनापति ऐसा मंदिर बनवाना चाहते थे जो कि हजारों साल तक स्थिर रहे। इसके लिए दूर-दूर से शिल्पकारों को बुलवाया गया लेकन वह रामप्पा से ही संतुष्ट हुए। बताया जाता है कि मंदिर के निर्माण में 40 साल का समय लग गया। मंदिर में इस्तेमाल पत्थर रहस्यमय हैं। ये बेहद हलके हैं। इसके अलावा इसके कटाव और घुमाव को देखकर आज वैज्ञानिक भी हैरान रह जाते हैं।मंदिर की सजावट और मूर्तिकला भी बेहद भव्य टहै। यह मंदिर एक तारे के आकार के छह फीट ऊंचे मंच पर बना है। यूरोपीय भी जब इस मंदिर को देखने आते थे तो मंत्रमुग्ध हो जाते थे।

4 नए मंत्रियों को विभाग का बंटवारा?, सीएम हिमंत विश्व सरमा ने किया बड़ा फेरबदल

गुवाहाटी, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा ने सोमवार को सरकार के विभागों में बड़ा फेरबदल किया और चार नए मंत्रियों को शामिल किया। शर्मा गृह, लोक निर्माण भवन और राष्ट्रीय राजमार्ग, लोक निर्माण सड़क और चिकित्सा शिक्षा तथा अनुसंधान विभाग संभालेंगे, जबकि कुछ विभाग अन्य मंत्रियों को सौंपे गए हैं। एक आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया है कि शर्मा कार्मिक और ऐसे किसी अन्य विभाग का भी प्रभार संभालेंगे, जो अन्य मंत्रियों को नहीं सौंपा गया है। नए मंत्रियों में प्रशांत फुकन को बिजली और कौशल, रोजगार और उद्यमिता विभाग आवंटित किए गए हैं और वे चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग में मुख्यमंत्री की सहायता करेंगे। कौशिक राय खाद्य, सार्वजनिक वितरण और उपभोक्ता मामले, खान और खनिज तथा नवनिर्मित बराक घाटी विकास विभाग संभालेंगे।

मुख्य सचिव रवि कोटा द्वारा हस्ताक्षरित अधिसूचना में कहा गया है कि पशुपालन और पशु चिकित्सा तथा मत्स्य पालन विभाग कृष्णेंदु पॉल को आवंटित किए गए हैं, जो लोक निर्माण सड़क विभाग में भी मुख्यमंत्री की सहायता करेंगे। रूपेश गोवाला को श्रम कल्याण और चाय जनजाति तथा आदिवासी कल्याण विभाग दिए गए हैं। इसके अलावा वे गृह विभाग में मुख्यमंत्री की सहायता करेंगे। अजंता नियोग

के पास उनके दोनों विभाग- वित्त और महिला एवं बाल विकास की जिम्मेदारी यथावत रहेगी। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग का प्रभार अशोक सिंघल को सौंपा गया है, जिनके पास सिंचाई विभाग की जिम्मेदारी बनी रहेगी। अतुल बोरा को कृषि, सीमा सुरक्षा एवं विकास, बागवानी और असम समझौते के कार्यान्वयन के मौजूदा विभागों के अलावा आबकारी विभाग का प्रभार दिया गया है। नए आवंटित विभागों में रंजीत कुमार दास को पर्यटन विभाग, केशव महंत को राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, जयंत मल्ला बरुआ को संसदीय मामले और आवास एवं शहरी मामलों के विभाग का आवंटन शामिल हैं। शर्मा ने शनिवार को अपने मंत्रिमंडल का विस्तार किया था।

एसएम कृष्णा के निधन पर प्रधानमंत्री मोदी ने जताया शोक

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एसएम कृष्णा के निधन से राजनीतिक जगत में शोक की लहर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर और कांग्रेस के दर्जनों नेताओं ने मंगलवार सुबह ही कृष्णा को श्रद्धांजलि दी। इनमें राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई नाम शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एसएम कृष्णा के निधन पर शोक जताते हुए कहा कि वह एक असाधारण नेता थे, जिनका सभी क्षेत्रों के लोग सम्मान करते थे। एसएम कृष्णा का मंगलवार सुबह बंगलूरू में उनके आवास पर निधन हो गया। 92 वर्षीय वरिष्ठ नेता लंबे समय से बीमार थे। मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहा, ''एसएम कृष्णा जी एक असाधारण नेता थे, जिनकी प्रशंसा सभी क्षेत्रों के लोग करते थे। उन्होंने हमेशा दूसरों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए अथक प्रयास किया। कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल खासकर बुनियादी ढांचे के विकास पर उनके द्वारा विशेष रूप से दिये गये ध्यान को लेकर उन्हें बहुत याद किया जाता है। श्री एसएम कृष्णा जी एक सजग पाठक और विचारक भी थे। मोदी ने कहा कि उन्हें पिछले कई वर्षों में कृष्णा के साथ बातचीत करने के कई अवसर मिले हैं और वह उन मुलाकातों को हमेशा संजो कर रखेंगे। उन्होंने कहा, ''कृष्णा के निधन से मुझे गहरा दुख हुआ है। उनके

परिवार और प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। ओम शांति।

विदेश मंत्री जयशंकर ने भी किया याद : विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी कृष्णा के निधन पर दुख व्यक्त किया। उनके साथ अपनी एक तस्वीर साझा करते हुए जयशंकर ने विदेश मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान हुई कई मुलाकातों को याद किया। जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, ''पूर्व विदेश मंत्री एस एम कृष्णा के निधन से बहुत दुखी हूं। कर्नाटक के विकास में और विदेश मंत्री के रूप में कृष्णा के योगदान को सदैव याद किया जाएगा। उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। ओम शांति।''

कांग्रेस नेताओं ने कैसे दी श्रद्धांजलि : कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एसएम कृष्णा को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनके कामों ने कर्नाटक के विकास में जबरदस्त योगदान दिया और बेंगलुरु को तकनीकी हब में बदलने में अहम भूमिका निभाई। राहुल ने कहा, एसएम कृष्णा जी के निधन की खबर से गहरा दुख हुआ। इस कठिन समय में उनके परिवार और करीबियों के प्रति मेरी संवेदनाएं। कांग्रेस महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि एसएम कृष्णा के योगदान ने कर्नाटक की प्रगति को आकार दिया और बंगलूरू को वैश्विक नक्शे पर स्थापित किया। भगवान उनकी आत्मा को शांति दें।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, ''पूर्व केंद्रीय मंत्री और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एसएम कृष्णा के साथ मेरे लंबे जुड़ाव की कई यादें हैं। मुख्यमंत्री के रूप में उनका कार्यकाल बहुत प्रभावशाली था और उन्होंने राज्य में सूचना प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी और अन्य उद्योगों के विकास में बहुत योगदान दिया।''कांग्रेस नेता ने कहा कि मार्च 2000 में कृष्णा का बजट भाषण कई मायनों में पथ-प्रदर्शक था। उन्होंने कहा, ''वह समाजवादी धारा से कांग्रेस में आए और लगभग आधी सदी तक पार्टी में एक विशिष्ट स्थान पर रहे। वह राजनीति के साथ-साथ टेनिस में भी उतने ही डूबे हुए थे।'' रमेश ने कहा, ''आज सुबह जब मैंने कृष्णा के निधन की खबर पढ़ी तो मुझे सही मायने में एक सज्जन व्यक्ति के रूप में उनकी याद आई, जिन्होंने सार्वजनिक जीवन की कठिनाइयों पर बहुत ही आत्मविश्वास के साथ पार पाया।

पांच महीने में हुई 5 बड़ी फजीहत

गौतम गंभीर की कोचिंग में नहीं दिख रहा स्वैग...

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला एडिलेड ओवल में खेला गया था. गुलाबी बॉल से खेले गए इस मुकाबले में भारतीय टीम को 10 विकेट से करारी हार झेलनी पड़ी. मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को महज 19 रनों का टारगेट मिला था. भारतीय टीम की इस हार के चलते पांच मैचों की सीरीज 1-1 की बराबरी पर आ गई है. दोनों टीमों के बीच तीसरा टेस्ट 14 दिसंबर (शनिवार) से ब्रिस्बेन के गाबा मैदान पर खेला जाना है.

गंभीर पर उठ रहे सवाल.. फाइनल की रेस में पिछड़ी टीम: एडिलेड टेस्ट में हार के बाद भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर पर फैन्स सवाल उठा रहे हैं. गंभीर टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद टीम इंडिया के हेड कोच बने थे. उन्होंने राहुल द्रविड़ की जगह ली थी. हालांकि बतौर कोच गंभीर का प्रदर्शन खास नहीं रहा है. भारतीय टीम गंभीर की कोचिंग में वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप में फाइनल की रेस में पिछड़ती नजर आ रही है. देखा जाए तो गंभीर की कोचिंग में लगभग पांच महीने में ही भारतीय टीम को 5 बड़ी फजीहत झेलनी पड़ी है...

1. ➲बतौर कोच गौतम गंभीर की भारतीय टीम के लिए पहली सीरीज श्रीलंका में थी. भारतीय टीम ने जुलाई 2024 में श्रीलंका दौरा किया था. उस दौरे पर भारतीय टीम ने टी20 सीरीज 3-0 से जीती थी, लेकिन वनडे सीरीज में उसे 0-2 से हार का सामना करना पड़ा.

27 साल बाद भारतीय टीम ने श्रीलंका के खिलाफ कोई द्विपक्षीय वनडे सीरीज गंवाई. इससे पहले अगस्त 1997 में हारे थे.

2.➲ गंभीर की कोचिंग में भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने घर पर चारों खाने चित हो गई. भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टेस्ट बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला गया था, जिसमें भारतीय टीम पहली पारी में 46 रनों पर ही सिमट गई. टेस्ट इतिहास में अपने घर पर भारत का ये सबसे कम स्कोर रहा. भारतीय टीम को उस मुकाबले में 8 विकेट से हार झेलनी पड़ी. 19 साल बाद भारतीय टीम एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में टेस्ट मैच हारी.

3.➲ इसके बाद भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के हाथों पुणे टेस्ट में 113 रनों से हार झेलनी पड़ी, जबकि वानखेड़े टेस्ट में भी उसे 25 रनों से पराजित होना पड़ा.

इसके चलते न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत का सफाया कर दिया. टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पहली बार भारतीय टीम को अपने घर पर तीन या उससे ज्यादा मैचों की सीरीज में क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा. न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने घर पर भारत की ये पहली टेस्ट सीरीज हार रही.

4. ➲भारतीय टीम ने 12 साल बाद अपने घर पर टेस्ट सीरीज गंवाई. इससे पहले भारतीय टीम को दिसंबर 2012 में इंग्लैंड के खिलाफ चार मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था.

उसके बाद भारत पहली बार अपने घर पर टेस्ट सीरीज हारा. न्यूजीलैंड के खिलाफ उस सीरीज से पहले भारतीय टीम ने अपने घर पर लगातार 18 टेस्ट सीरीज जीती थी.

5. ➲अब गौतम गंभीर के अंडर भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई है. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में भारत ने अच्छी शुरुआत करते हुए पर्थ टेस्ट में 295 रनों से जीत हासिल की. हालांकि पिंक बॉल टेस्ट में भारतीय टीम की फजीहत हो गई. ये मुकाबला तीसरे दिन के पहले सेशन में ही खत्म हो गया. इस मुकाबले में 1031 गेंदें ही फेंकी गईं. ये भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच सबसे छोटा टेस्ट मैच रहा, जिसमें नतीजा निकला.

गंभीर की कोचिंग में भारत का अब तक का प्रदर्शनः

टी20 सीरीज वर्सेस श्रीलंका 3-0 से जीत	बांग्लादेश 2-0 से जीत	टेस्ट सीरीज वर्सेस न्यूजीलैंड- 0-3 से हार
वनडे सीरीज वर्सेस श्रीलंका 0-2 से हार	टी20 सीरीज वर्सेस बांग्लादेश 3-0 से जीत	टेस्ट सीरीज वर्सेस ऑस्ट्रेलिया- फिलहाल 1-1 से बराबर
टेस्ट सीरीज वर्सेस		

बुमराह से बेहतर शमी?

एंडी रॉबर्ट्स ने बताया भारत का बेस्ट गेंदबाज

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट में अभी तक तो ये सवाल नहीं सुलगता दिखा है कि बुमराह और शमी में बेहतर कौन है? लेकिन, वेस्टइंडीज के महान तेज गेंदबाज रहे एंडी रॉबर्ट्स के सामने आए बयान के बाद अब ऐसा हो सकता है. 70 और 80 के दशक में वेस्टइंडीज की पेस अटैक की चौकड़ी का हिस्सा रहे एंडी रॉबर्ट्स ने शमी को भारत का बेस्ट गेंदबाज बताया है. उन्होंने कहा कि बुमराह विकेट लेते हैं मगर शमी बेस्ट हैं. कैरेबियाई ग्रेट ने शमी को जल्दी से ऑस्ट्रेलिया बुलाने की भी मांग की. उन्होंने कहा कि वो चाहते हैं कि बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के बाकी बचे मैचों में टीम इंडिया शमी के साथ खेले.

भारत का बेस्ट गेंदबाज शमी- एंडी रॉबर्ट्स

एंडी रॉबर्ट्स ने मिड डे से बातचीत में कहा कि शमी फिलहाल भारत के बेस्ट तेज गेंदबाज हैं. उन्होंने कहा कि बेशक वो बुमराह जितने विकेट नहीं लेते लेकिन शमी कम्पलीट पैकेज हैं. उनके परफॉर्मेन्स में कॉंसिस्टेंसी है. शमी गेंद को सीम और स्विंग दोनों कराने में सक्षम हैं. इसके अलावा वो अपनी गेंदबाजी में बुमराह जैसा कंट्रोल भी रखते हैं. ऐसे में एंडी रॉबर्ट को लगता है कि शमी को खेलना चाहिए.

घरेलू क्रिकेट खेल रहे शमी

शमी फिलहाल घरेलू क्रिकेट में बंगाल की ओर से खेल रहे हैं, वो इंजरी के चलते लंबे वक्त से टीम इंडिया से बाहर हैं. फिलहाल उन्हें एनसीए से ग्रीन सिग्नल मिलने का इंतजार है, जिसके बाद ही शमी ऑस्ट्रेलिया जा सकेंगे. भारत को एडिलेड में खेले डे-नाइट टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया से 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा. उस हार के बाद 5 टेस्ट की सीरीज 1-1 की बराबरी पर आ खड़ी हुई है.

आईसीसी ने भ्रष्टाचार निरोधक संहिता के उल्लंघन के लिए सनी ढिल्लों पर लगाया 6 साल का प्रतिबंध

दुबई, एजेंसी। भ्रष्टाचार निरोधक न्यायाधिकरण द्वारा अमीरात क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की भ्रष्टाचार निरोधक संहिता के उल्लंघन का दोषी पाए जाने के बाद एक फ्रेंचाइजी टीम के पूर्व सहायक कोच सनी ढिल्लों पर 6 साल के लिए सभी तरह के क्रिकेट से प्रतिबंध लगा दिया गया है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने मंगलवार को इसकी घोषणा की।

ढिल्लों उन 8 लोगों में शामिल थे जिन पर पिछले साल संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाया गया था। ये आरोप 2021 अबू धाबी टी10 क्रिकेट लीग और उस टूर्नामेंट में मैचों को भ्रष्ट करने के प्रयासों से संबंधित हैं, जिन्हें आईसीसी टूर्नामेंट के लिए ईसीबी की संहिता के लिए नामित भ्रष्टाचार निरोधक अधिकारी द्वारा बाधित किया गया था। पूरी सुनवाई और लिखित और मौखिक दलीलों के बाद न्यायाधिकरण ने ढिल्लों को दोषी पाया। प्रतिबंध 13 सितंबर, 2023 से लागू होगा, जब ढिल्लों को अनंतिम रूप से निलंबित किया गया था।

आईसीसी ने बैन की अमेरिका की टी-20 लीग

- सचिन तेंदुलकर भी हैं लीग का हिस्सा

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका बीते कुछ सालों से क्रिकेट की दुनिया अपनी जड़ें मजबूत करने में लगा है। चाहे वह टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी हासिल करना हो या फिर ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल करना। हालांकि उसकी इन कोशिशों को बड़ा झटका लगा है। आईसीसी ने अमेरिका की नेशनल क्रिकेट लीग को बैन कर दिया है। आईसीसी ने पत्र लिखकर अमेरिका क्रिकेट बोर्ड को यह बताया है कि वह इस लीग के आने वाले सीजन को मान्यता नहीं देंगे।

लीग में नहीं हुआ नियमों का पालन

खत में बताया गया है की लीग में प्लेइंग इलेवन के नियमों का पाल नहीं किया गया। हर टीम की प्लेइंग इलेवन में कम से कम सात अमेरिका खिलाड़ी होने चाहिए थे। लीग शुरू होने से पहले ही अधिकारियों को इसकी जानकारी थी। सिर्फ इतना ही नहीं लीग में विदेशी खिलाड़ियों को मौका देने के लिए अमेरिका के इमिग्रेशन नियमों को भी तोड़ा गया है।

वीजा नियमों का भी हुआ उल्लंघन

अमेरिका में स्पोर्ट्स कैटेगरी के वीजा के लिए छह टीमों के लिए कम से कम दो लाख यूएस डॉलर लगते हैं। हालांकि कई खिलाड़ी स्पोर्ट्स वीजा पर लीग में हिस्सा लेने नहीं पहुंचे। पैसे बचाने के लिए लिए गए इस कदम ने भी लीग की मुश्किल बढ़ा दी है। भारत के महान बल्लेबाज दिग्गज सचिन तेंदुलकर का इस लीग के साथ खास

कनेक्शन है। सचिन इस लीग के ओनरशिपग्रुप का हिस्सा हैं। उन्होंने खुद इसका ऐलान करते हुए कहा, 'क्रिकेट मेरे जीवन की सबसे बड़ा सफर रहा है और मैं अमेरिका में इस खेल के लिए ऐसे रोमांचक समय में नेशनल क्रिकेट लीग से जुडकर खुश हूं।'

एनसीएल ने क्रिकेट जगत के कई लीजेंड्स को अपने साथ जोड़ा है। इसमें सुनील गावस्कर, जहीर अब्बास, वसीम अकरम, दिलीप वेंगसकर, सर विवियन रिचर्ड्स, वेंकटेश प्रसाद, सनथ जयसूर्या, मोईन खान और ब्लेयर फ्रैंकलिन शामिल हैं। यह सभी दिग्गज किसी टीम के कोच या मेंटर की भूमिका निभाने वाले थे।

पूजा ने जूनियर राष्ट्रीय में ऊंची कूद में राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया

भुवनेश्वर, एजेंसी। इस साल की शुरुआत से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे दिल्ली के होनहार 400 मीटर के धावक जय कुमार ने ट्रैक पर अपना दबदबा बनाए रखा। हरियाणा की अंतरराष्ट्रीय ऊंची कूद खिलाड़ी पूजा ने सोमवार को यहां कलिंगा स्टेडियम में 39वीं राष्ट्रीय जूनियर चैंपियनशिप के तीसरे दिन अपने अंडर-18 राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। 17 वर्षीय पूजा ने हेप्टाथलॉन प्रतियोगिता के दौरान ऊंची कूद में 1.85 मीटर की छलांग के साथ राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। उनका 1.83 मीटर का पिछला राष्ट्रीय रिकॉर्ड अगस्त में पेरू के लीमा में विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दौरान दर्ज किया गया था। इस साल की शुरुआत से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे दिल्ली के होनहार 400 मीटर के धावक जय कुमार ने ट्रैक पर अपना दबदबा बनाए रखा। पुरुषों की अंडर-20 400 मीटर दौड़ में उन्होंने स्वर्ण पदक जीतने के साथ ही 2017 में अमोज जैकब द्वारा निर्धारित 46.59 सेकंड के मीट रिकॉर्ड में सुधार किया। जय ने 46.29 सेकंड का समय लिया। लड़कियों की अंडर-16 भाला फेंक में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली और शीर्ष छह खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड बेहतर किया। हरियाणा की मुस्कान 46.87 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीतने में सफल रही। उन्होंने बड़े अंतर से इस साल शिवानी पटेल द्वारा बनाए गए 40.01 मीटर के पिछले अंडर-16 राष्ट्रीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा।

एमएस धोनी ने अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान को पीछे छोड़ा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी की लोकप्रियता संन्यास लेने के 5 साल बाद भी बेमिसाल है। यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि मैदान पर एमएस धोनी के सीमित समय ने उनकी ब्रांड वैल्यू को कम नहीं किया है।

मीडिया रिसर्च की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार, 43 साल के एमएस धोनी ने अब ब्रांड एंडोर्समेंट के मामले में अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान समेत कई बॉलीवुड सुपरस्टार्स को पीछे छोड़ दिया है।

एमएस धोनी के पास 42 एंडोर्समेंट: रिपोर्ट के अनुसार, एमएस धोनी 2024 में सबसे अधिक ब्रांड एंडोर्समेंट पाने वाले भारतीय सेलिब्रिटी हैं। उनके पास कुल 42 एंडोर्समेंट हैं। अमिताभ बच्चन 41 एंडोर्समेंट के साथ सूची में दूसरे स्थान पर हैं, जबकि शाहरुख खान 34 डील के साथ तीसरे स्थान पर हैं। मीडिया रिसर्च यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका के नीलसन और यूके के कैंटर का एक संयुक्त उद्यम है।

हरभजन सिंह ने रोहित को नंबर 6 पर रखने का समर्थन किया

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट के लिए टीम इंडिया की रणनीति पर अपने विचार साझा किए और विश्वास जताया कि कप्तान रोहित शर्मा एडिलेड में अपने खराब प्रदर्शन के बावजूद नंबर 6 पर बल्लेबाजी करना जारी रखेंगे, जहां भारत को 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था।

रोहित पर्थ में शुरुआती टेस्ट से चूक गए थे, हालांकि एडिलेड टेस्ट में वह प्रभाव छोड़ने के लिए संघर्ष करते रहे, उन्होंने नंबर 6 पर बल्लेबाजी करते हुए दोनों पारियों में सिर्फ 9 रन बनाए। हरभजन को लगता है कि कप्तान के फॉर्म को ध्यान में रखते हुए उन्हें बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजने की कोई जरूरत नहीं है। हरभजन ने कहा, मुझे नहीं लगता कि बल्लेबाजी क्रम में कोई बदलाव होगा।

हमने कल चर्चा की कि शायद रोहित शर्मा को बल्लेबाजी क्रम में ऊपर आना चाहिए। यहां तक कि (सुनील) गावस्कर साहब ने भी इसका सुझाव दिया था, लेकिन मुझे नहीं लगता कि टीम प्रबंधन इस तरह से सोचेगा। रोहित अभी शानदार फॉर्म में नहीं हैं, तो आप उन्हें बल्लेबाजी क्रम में ऊपर क्यों भेजेंगे? मुझे लगता है कि केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल को ओपनिंग जारी रखनी चाहिए, जबकि रोहित मध्य क्रम में बल्लेबाजी करें। बल्लेबाजी क्रम में निरंतरता की वकालत करते हुए हरभजन ने भारत के गेंदबाजी आक्रमण में बदलाव की भविष्यवाणी की।

मेसी-रोनाल्डो और फैंस के लिए बुरी खबर

पुरुषों की फीफ-प्रो विश्व एकादश में नहीं बना पाए जगह

हूफडॉर्प (नीदरलैंड), एजेंसी। 37 साल के मेसी एमएलएस में इंटर मियामी के लिए खेलते हैं जबकि 39 वर्षीय रोनाल्डो सऊदी प्रो लीग में अल-नासर के लिए खेलते हैं। सर्वकालिक महान फुटबॉल खिलाड़ियों में शामिल लियोनेल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो सोमवार को वैश्विक खिलाड़ियों के संघ फीफप्रो द्वारा घोषित वर्ष की पुरुष विश्व टीम में जगह नहीं बना सके। 37 साल के मेसी एमएलएस में इंटर मियामी के लिए खेलते हैं जबकि 39 वर्षीय रोनाल्डो सऊदी प्रो लीग में अल-नासर के लिए खेलते हैं। अंतिम एकादश के मतदान के लिए चुने गये 26 खिलाड़ियों की सूची में सिर्फ मेसी और रोनाल्डो ही थे जो किसी यूरोपीय क्लब से नहीं जुड़े है। यह 2006 के बाद यह पहली बार है कि इस सूची में मेसी का चयन नहीं किया गया है। अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता के नाम 17 बार टीम में चुने जाने के बाद रिकॉर्ड है। रोनाल्डो को 15 बार चुना गया है लेकिन आखिरी बार 2021 में वह इस टीम में शामिल थे।

एरिना सबालेंका ने डब्ल्यूटीए की साल की सर्वश्रेष्ठ टेनिस खिलाड़ी का पुरस्कार जीता

सेंट पीटर्सबर्ग (अमेरिका), एजेंसी। स्टार टेनिस खिलाड़ी एरिना सबालेंका को सोमवार को पहली बार डब्ल्यूटीए की साल की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। बेलारूस की 26 वर्षीय सबालेंका ने 2024 में दो ग्रैंड स्लैम खिताब जीते और दुनिया की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी भी बनीं। टेनिस मीडिया के मतदान के अन्य परिणामों में ऐमा नवारो को सबसे अधिक सुधार करने वाली खिलाड़ी के रूप में सम्मानित किया गया। पाउला बडोसा को साल में सर्वश्रेष्ठ वापसी करने वाली खिलाड़ी और लुलु सन को साल की सर्वश्रेष्ठ नयी खिलाड़ी चुना गया।

सारा इरानी और जैस्मिन पाओलिनी को साल की सर्वश्रेष्ठ युगल टीम चुना गया। सबालेंका ने 2024 में जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन और सितंबर में अमेरिकी ओपन के साथ इस सत्र में दो अन्य खिताब जीते। उनका जीत-हार का रिकॉर्ड 56-14 रहा। उन्होंने लगभग एक करोड़ डॉलर की पुरस्कार राशि जीती। उन्होंने अक्टूबर में ईगा स्वियातेक को पछाड़कर शीर्ष रैंकिंग हासिल की।

भारत ने मलेशिया पर 5-0 से शानदार जीत दर्ज की

मस्कट, एजेंसी। पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञ दीपिका ने हैट्रिक लगाई, जिससे भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने सोमवार को यहां महिला जूनियर एशिया कप के पूल ए में अपने दूसरे मैच में मलेशिया पर 5-0 की शानदार जीत के साथ अपनी जीत की लय जारी रखी। दीपिका ने 37वें, 39वें और 48वें मिनट में गोल करके हैट्रिक बनाई, जबकि वैष्णवी विट्ठल फाल्के (32') और कनिका सिवाच (38') ने स्कोरशीट में अपना नाम दर्ज किया।

पहले हाफ में गोल रहित रहने के बाद भारत ने आखिरी दो क्वार्टर में लय हासिल की और टूर्नामेंट में अपनी मजबूत फॉर्म को बरकरार रखते हुए आसान जीत हासिल की। ??भारत ने खेल की जोरदार शुरुआत की और गेंद पर अपना दबदबा बनाए रखा, लेकिन गोल करने के कई मौके गंवाए। पहले क्वार्टर के अंत में उन्हें लगातार तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन दीपिका के प्रयासों को मलेशिया की गोलकीपर नूर जैनल ने बचा लिया।

सामंजस्य और आपसी सहयोग से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करना संभवः उप मुख्यमंत्री

ओरल कैंसर डिटेक्शन और डेंटल ट्रीटमेंट वैन का उप मुख्यमंत्री ने किया शुभारंभ

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि सामंजस्य और आपसी सहयोग से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करना संभव है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने अपोलो सेज हॉस्पिटल परिसर में ओरल कैंसर डिटेक्शन और डेंटल ट्रीटमेंट वैन सेवा का शुभारंभ किया। यह मोबाइल वैन अत्याधुनिक तकनीक और सुविधाओं से लैस है, जो मुंह के कैंसर की शीघ्र पहचान और संपूर्ण दंत चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने में सक्षम है। इस पहल को डेनासिया ग्रुप और रोटरी क्लब के सहयोग से संचालित किया जा रहा है, यह वैन विशेष रूप से उन नागरिकों की सेवा के लिए समर्पित है जो आर्थिक अथवा भौगोलिक कारणों से चिकित्सा सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं। इस वैन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों और भोपाल के आस-पास के जिलों कर कैंसर एवं दंत रोगों की पहचान और उपचार की सुविधाएँ उपलब्ध कराना है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने डेनासिया ग्रुप और रोटरी क्लब के सहयोग की सराहना करते हुए इसे मानवता की सेवा का अनुकरणीय उदाहरण बताया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के विजन में सामूहिक प्रयासों का महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने कहा कि इस वैन के संचालन से न केवल ओरल कैंसर की शीघ्र पहचान और उपचार होगा, बल्कि दंत चिकित्सा सेवाओं से भी हजारों नागरिक लाभान्वित होंगे। यह पहल समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। श्री शुक्ल ने विश्वास व्यक्त किया कि यह वैन लोगों को सुलभ और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करेगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने अपोलो सेज हॉस्पिटल की सुविधाओं का अवलोकन किया।

उल्लेखनीय है कि वैन में उन्नत तकनीक से लैस ओरल कैंसर डिटेक्शन सिस्टम है, जो कुछ ही मिनटों में कैंसर की पहचान कर सकता है। इसके अतिरिक्त, वैन में एक आधुनिक डेंटल चेयर और अन्य चिकित्सा उपकरण हैं, जो जटिल से जटिल दंत समस्याओं का इलाज कर सकते हैं। वैन की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह बिजली न होने की स्थिति में भी पेट्रोल जनरेटर की सहायता से निर्बाध रूप से कार्य करती है। यह वैन न केवल तकनीकी रूप से उन्नत है, बल्कि प्रदेश के हर कोने तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक भी है। सेज ग्रुप के चेयरमैन श्री संजीव अग्रवाल, डेनेशिया ग्रुप के चेयरमैन श्री पी के त्रिपाठी सहित रोटरी क्लब के प्रतिनिधि, चिकित्सा विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

संभागीय बैठक के निर्देशों का समय सीमा में पालन सुनिश्चित करें : कमिश्नर

रीवा। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने संभागीय बैठक के एजेण्डा बिंदुओं की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि अतिरिक्त मुख्य सचिव महोदय संभागीय बैठकों में दिए गए निर्देशों का समय सीमा में पालन सुनिश्चित करें। सभी संबंधित अधिकारी पालन प्रतिवेदन को ऑनलाइन अपडेट करा दें तथा मौके पर जाकर संबंधित कार्यों का निरीक्षण भी करें निर्माण कार्यों के संबंध में अद्यतन स्थिति तथा पूरा होने की तिथि का उल्लेख अनिवार्य रूप से करें। शासन स्तर को स्वीकृति के लिए भेजे गए प्रस्तावों का लगातार फालोअप करके उन्हें स्वीकृति दिलाएं। जनकल्याण अभियान के दौरान मुख्यमंत्री जी प्रत्येक संभाग के विकास गतिविधियों की जानकारी लेंगे। इसलिए आवश्यक है कि गत बैठक का पालन प्रतिवेदन सुनिश्चित करें साथ ही नवीन प्रस्तावों को भी जनप्रतिनिधियों से विचार विमर्श कर शामिल किये जाने की कार्यवाही करायें।

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान तथा पर्व का शुभारंभ आज से

अभियान में प्रत्येक पंचायत और नगरीय निकाय के वार्डों में लगेंगे शिविर

रीवा। प्रदेश में 11 दिसम्बर से 26 जनवरी तक मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान तथा 11 दिसम्बर से 26 दिसम्बर तक मुख्यमंत्री जनकल्याण पर्व मनाया जाएगा। अभियान का मुख्य उद्देश्य केन्द्र सरकार और राज्य सरकार की सभी हितग्राहीमूलक योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को शत-प्रतिशत लाभान्वित करना है। अभियान 11 दिसम्बर से गीता जयंती से आरंभ होगा। इसका समापन 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस को होगा। अभियान के दौरान प्रत्येक ग्राम पंचायत और नगरीय निकाय के प्रत्येक वार्ड में शिविर लगाकर हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएगा। इन शिविरों में भी यदि हितग्राही लाभ पाने से वंचित रह गए तो उन्हें 26 जनवरी को लाभान्वित किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और शहरी क्षेत्र के लिए आयुक्त नगर निगम नोडल अधिकारी होंगे। जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के शिविरों की तिथियाँ निर्धारित कर प्रिंट और सोशल मीडिया के माध्यम से उनका प्रचार-प्रसार किया जाएगा ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ ले सकें।

कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने सभी जनपद पंचायतों के सीईओ को निर्देश दिये हैं कि अधीनस्त ग्राम पंचायतों में अभियान से पूर्व कार्ययोजना बनाकर आयोजन सुनिश्चित करायें। साथ ही पांच ग्राम पंचायतों में रैली, रंगोली आदि कार्यक्रम का शुभारंभ कराकर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिविर के लिए नोडल अधिकारी तथा अधिकारियों के दल तैनात होंगे। प्रत्येक दिन की गतिविधि तथा लाभान्वित हितग्राहियों की जानकारी सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर दर्ज होगी। विभाग अपनी योजनाओं का लाभ देने के लिए अलग से भी शिविर लगा सकते हैं। परिवहन विभाग स्कूल और महाविद्यालयों में शिविर लगाकर ड्राइविंग लाइसेंस बनाए जाएंगे। जनकल्याण अभियान में श्रेष्ठ कार्य करने वाले जिलों, विकासखण्डों, अधिकारियों और कर्मचारियों को गणतंत्र दिवस में सम्मानित किया जाएगा। अभियान के दौरान 11 दिसम्बर से 26 दिसम्बर तक जन कल्याण पर्व मनाया जाएगा। इस अवधि में अलग-अलग विषयों से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। गीता जयंती 11 दिसम्बर को गीता पाठ का आयोजन होगा। अभियान के दौरान सरकार की एक वर्ष की उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इस दौरान लोकार्पण और भूमिपूजन के कार्य भी कराए जाएंगे।

गीता जयंती पर आज होगा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

जिला स्तरीय कार्यक्रम नगर निगम टाउन हाल में आयोजित होगा

रीवा। गीता जयंती के उपलक्ष्य में अर्न्तराष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन 11 दिसंबर को किया जायेगा। जिलें में आयुक्त नगर निगम को कार्यक्रम के सम्पूर्ण आयोजन हेतु जिला स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिला स्तरीय कार्यक्रम नगर निगम टाउन हाल में प्रातः 11 बजे से आयोजित होगा। कार्यक्रम में इस्कॉन, ब्राम्हाकुमारी संस्थान एवं अन्य स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा प्रस्तुतियाँ दी जायेंगी। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने गीता महोत्सव आयोजन के संबंध में निर्देश दिये हैं कि जिला मुख्यालय में अर्न्तराष्ट्रीय गीता महोत्सव का जिला स्तरीय आयोजन किया जाय। जिसमें श्रीकृष्ण परंपरा के आचार्यो, साधु-संतो व विद्वतजनों की संन्निधि में विश्व गीता प्रतिष्ठानम के सहयोग से श्रीमद भागवत गीता के कर्म योग अध्याय (11,12, तथा 15) का सस्वर पाठ कराया जायेगा। कार्यक्रम स्थल में श्रीमदभागवत पुराण तथा गौ और गोपाल आधारित चित्रों की वृहद प्रदर्शनी लगाई जायेगी। जिला स्तरीय कार्यक्रम में सांस्कृतिक गतिविधियों, श्रीमदगीता-संवाद, जैसे कार्यक्रम आयोजित किये जावेगें। जिला स्तरीय कार्यक्रम में श्रीकृष्ण परंपरा पर आधारित बच्चों व कलाकारों के सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे।

गीता जयंती के अवसर पर 11 दिसंबर को जिलें के सभी शासकीय एवं अशासकीय श्री कृष्ण मंदिरो, न्यास, गोपालक संस्थाएँ (गौशालाओं) में सामाजिक व स्वैच्छिक संस्थाओं के सहयोग से साफ-सफाई, श्रंगार, रोशनी एवं पूजन के कार्यक्रम आयोजित किये जावेगें।

उपार्जित धान के परिवहन की व्यवस्था सुनिश्चित करायें : कलेक्टर

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने धान उपार्जन की अद्यतन स्थिति की समीक्षा के दौरान निर्देश दिये कि मिलर्स से अनुबंध कर कार्ययोजना बनाते हुए उपार्जित धान के परिवहन की व्यवस्था सुनिश्चित करायें। उन्होंने कहा कि जिन उपार्जन केन्द्रों एवं बोरे में धान की कम भराव की शिकायतें हों वहां संबंधित अधिकारी तत्काल भ्रमण करें तथा निराकरण करायें।

पेंटियम प्वाइंट ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में मानवाधिकार दिवस का आयोजन

रीवा। शहर में स्थित पेंटियम प्वाइंट ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस द्वारा संचालित पेंटियम प्वाइंट टेक्निकल कॉलेज (कॉलेज ऑफ लॉ) के करहिया परिसर में मानवाधिकार दिवस का आयोजन किया गया।दुनिया भर में हर साल 10 दिसंबर को मानवाधिकार दिवस मनाया जाता है। यह वह दिन है जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1948 में मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा (यूडीएचआर) को अपनाया था। यह घोषणा दुनिया भर के इतिहास में एक मील का पत्थर है क्योंकि इसमें सभी लोगों को मौलिक अधिकार दिए गए हैं, चाहे उनकी पृष्ठभूमि कुछ भी हो।मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा इस बात पर प्रकाश डालता है कि हर व्यक्ति को बुनियादी स्वतंत्रता और सुरक्षा हासिल है, चाहे उसकी जाति, लिंग, धर्म, राष्ट्रीयता कुछ भी क्यों न हो।मानवाधिकार दिवस 2024 की थीम हमारे अधिकार, हमारा भविष्य,अभी है।महाविद्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्टेट बार काउंसलिंग के सह अध्यक्ष एवं सदस्य एड.अखंड प्रताप सिंह रहे,जबकि अध्यक्षता महाविद्यालय के मुख्य प्रबंध संचालक बी एन त्रिपाठी ने की।कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन के साथ प्रारंभ हुई, अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय की परंपरा अनुसार पौधे देकर किया गया। इस कार्यक्रम में लॉ के छात्रों द्वारा कई कार्यक्रमों में प्रस्तुतियां दी गई,जिसमें कानून की जागरूकता संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए गए।महाविद्यालय द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया।प्रथम,द्वितीय तथा तृतीय स्थान आने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि इस दिन का मुख्य उद्देश्य मानव अधिकारों की रक्षा के महत्व को उजागर करना है। यह उन व्यक्तियों के अधिकारों की सुरक्षा को रेखांकित करता है, जिनके अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। उन्होंने कहा कि देश के हर नागरिक, चाहे वह किसी भी जाति, धर्म, भाषा, या सामाजिक स्थिति का हो, के साथ समान व्यवहार और सम्मान होना चाहिए। भेदभाव मुक्त समाज का निर्माण हर नागरिक की जिम्मेदारी है।कार्यक्रम में मानव अधिकारों के साथ-साथ नागरिकों के नैतिक कर्तव्यों पर भी चर्चा की गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि राष्ट्र के प्रति ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और सामाजिक सद्भावना बनाए रखना हर व्यक्ति का नैतिक दायित्व है।कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने मानव अधिकारों और अपने सामाजिक कर्तव्यों पर विचार साझा किए। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे बी एन त्रिपाठी ने कहा कि मानवाधिकार दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह दिन मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा की याद में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि यह दिन सम्मान, स्वाभिमान और समानता के साथ मानव अधिकारों की रक्षा के प्रति जागरूक करता है। आज के इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से महाविद्यालय के शैक्षणिक संचालक एसके त्रिपाठी,पेंटियम प्वाइंट टेक्निकल कॉलेज की प्राचार्या डॉ सीमा शुक्ला, पेंटियम प्वाइंट टेक्निकल कॉलेज (कॉलेज ऑफ लॉ) प्राचार्य डॉ पीएन शर्मा,पेंटियम प्वाइंट कॉलेज ऑफ़ मैनेजमेंट की प्राचार्या डॉ मोना तिवारी, एड. अनंतशयनम शास्त्री महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक मनोज गुप्ता,आशुतोष गुप्ता, रवि प्रकाश गुप्ता, संजीव मिश्रा, डॉ सविता शुक्ला, डॉ कविता सिंह, डॉ सपना त्रिवेदी, सुनील तिवारी, रत्नेश मोहन मिश्रा, दीपक शुक्ला, प्रियंका सोनी, शिवांशी पांडेय,प्रीति गुप्ता आदि प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक तथा महाविद्यालय के छात्र मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में की गई 84 प्रकरणों की सुनवाई

मीना का मुख्यमंत्री सामाजिक सुरक्षा कल्याणी पेंशन योजना का मौके पर बना कार्ड

रीवा। कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में 84 प्रकरणों की सुनवाई की गई। डिप्टी कलेक्टर श्रेयस गोखले ने कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आवेदनों की समस्यायें सुनीं तथा विभागीय अधिकारियों को समाधान कारक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देश दिये।

जनसुनवाई में मीना ने पेंशन योजना का लाभ दिलाये जाने का आवेदन दिया। मौके पर ही पेंशन कार्ड बनाने के निर्देश दिये गये। मीना को मुख्यमंत्री सामाजिक पेंशन योजना का कार्ड मौके पर ही बनाकर दिया गया। बुद्धसेन मिश्रा सोहागी के नक्शा तरमीम कराये जाने, पडिया हुजूर के लोड्डी द्वारा अभिलेख दुरूस्तगी कराने, जोन्हा निवासी राजेश्वरी नाई के अवैध तरीके से कराये गये नक्शा तरमीम को निरस्त करने तथा पिपरवार निवासी चूड़ामणि पाण्डेय के स्वामित्व की भूमि से दूसरे अनाधिकृत व्यक्ति के अधिपत्य को हटाने की कार्यवाही के आवेदनों को संबंधित एसडीएम को कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया। राजकुमार दुबे पथरी के अतिग्रस्त माकान का मुआवजा दिलाने का आवेदन किया जिसे परीक्षण के पश्चात तहसीलदार सिरमौर को कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गये। आयुष चतुर्वेदी महसांव के वारसाना नामांतरण, जनकहाई के सत्येन्द्र कुमार शुक्ला के अवरूद्ध मार्ग को खोले जाने के आवेदन तथा वशिष्ट प्रसाद पाण्डेय के खसरे से विलोपित भूमि को दर्ज करने के आवेदनों को संबंधित एसडीएम को प्रेषित किये गये। जनसुनवाई में रामायण प्रसाद हर्दी नं. 2 ने इस्तलाबी करने का आवेदन दिये जिसे नायब तहसीलदार मनगवां को तथा पिपरवार निवासी भरतलाल पाण्डेय के खसरा में अभिलेख दुरूस्तगी के आवेदन पर संबंधित नायब तहसील को कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। सरस्वती प्रसाद तिवारी लमौली सिरमौर व अभिलेख कुमार टुकुरी 37 ने नहर के मुआवजा के लिये आवेदन दिया जिन्हें सिचाई विभाग को कार्यवाही हेतु प्रेषित कि किया गया। मीना देवी वार्ड 25 रीवा के सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्रदान कराने के आवेदन को संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय को तथा खरहटी अन्तर्गत माला गांव के रहवासियों ने गौशाला से गौवंश को बाहर न छोड़ने का आवेदन दिया जिसे संयुक्त संचालक पशु पालन विभाग को कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

जिले में समर्थन मूल्य पर 10 दिसम्बर तक 369119 क्विंटल हुई धान की खरीद

रीवा। किसानों को उनकी उपज का अधिकतम मूल्य देने के लिए पंजीकृत किसानों से जिले भर में बनाये गये 92 खरीदी केन्द्रों में समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन 2 दिसंबर से किया जा रहा है। किसानों से एफएक्यू धान 2300 रूपये प्रति धक्कटल की दर से सहकारी समितियों द्वारा खरीदी जा रही है। जिले में अब तक 5873 किसानों से अब तक 369119 क्विंटल धान की खरीद की गयी है। इस संबंध में संयुक्त कलेक्टर एवं प्रभारी अधिकारी खाद्य पीके पाण्डेय ने बताया कि अब तक की गयी खरीदी के लिए किसानों को 84 करोड़ 89 लाख 74 हजार 476 रूपये मंजूर किये जा चुके हैं। किसान अपनी सुविधा के अनुसार स्लॉट बुक करके खरीदी केन्द्र और खरीदी के समय का निर्धारण करके समर्थन मूल्य पर धान दे सकते हैं। खरीदी के लिए अब तक 26 हजार 512 किसानों ने स्लॉट बुक कराये हैं।

हम होंगे कामयाब अभियान कार्यक्रम का हुआ समापन

रीवा। जेंडर आधारित हिंसा उन्मूलन के उद्देश्य से 25 नवम्बर से संचालित हम होंगे कामयाब अभियान कार्यक्रम का समापन नगर निगम टाउन हाल में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवड़े रहे। गत 15 दिन से पूरे जिले में महिलाओं के खिलाफ हो रही हिंसा को रोकने के लिए विभिन्न कानून जैसे घरेलू हिंसा अधिनियम बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम पीसीपीएनडीटीएक्ट कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न रोकने के लिए बनाये गये पाक्सो अधिनियम, साइबर अधिनियम वन स्टाप सेंटर, चाइल्ड लाइन, महिला हेल्पलाइन आदि के संबंध में जानकारियाँ दी गई। मुख्य अतिथि डॉ. सौरभ सोनवड़े ने कहा कि यह कार्यक्रम का समापन है लेकिन कार्यक्रम से जो सीख मिली है उसको जन-जन तक पहुंचना है, तभी ऐसे कार्यक्रमों की सार्थकता होगी। एसडीएम हुजूर वैशाली जैन ने कहा कि अपने आसमान का रंग स्वयं चुने और अपना रोल माडल स्वयं बनायें। कार्यक्रम में डॉ. शैलजा सोनी गाइनेकोलॉजिस्ट मेडिकल कॉलेज, एमके धौलपुरी जिला खेल अधिकारी, अनीश पाण्डेय, प्रतिभा पाण्डेय जिला कार्यक्रम अधिकारी, अभिमन्यु सिंह, प्रीति आडवाणी, रूपाली द्विवेदी सहायक आयुक्त कुलदीप सिंह, सुभाष, स्वाति श्रीवास्तव, राजराखन पटेल, श्लेषा शुक्ला, सुमित सिंह, चक्रपाणी मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

थाना बिछिया पुलिस ने दो अपहृत बालकों को दस्तयाब कर परिजनों को किया सुपुर्द

रीवा। घटना का संक्षिप्त विवरण में दिनांक 06.12.24 को फरियादी उपस्थित थाना बिछिया आकर मौखिक रिपोर्ट लेख कराया कि दिनांक 05.12.24 को सुबह करीबन 11.00 बजे दिन मेरा नाबालिक लड़का जिसकी उम्र 14 वर्ष जो घर से स्कूल जाने को कहकर निकला था जो घर वापस नही आया बिना बताये कही चला गया है। रिपोर्ट पर अज्ञात व्यक्ति व्दारा अपहृत को बहला फुसलाकर ले जाने की आशंका पर थाना बिछिया में प्रथम दृष्टया अपराध क्र. 530/24 धारा 137(2) बी.एन.एस. अज्ञात आरोपी के विरूध्द कायम किया जाकर विवेचना में लिया गया सूचना से वरिष्ठ अधिकारियो को अवगत कराया गया। श्रीमान पुलिस अधीक्षक रीवा श्री विवेक सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अनिल सोनकर के कुशल मार्गदर्शन व नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती शिवाली चतुर्वेदी के कुशल नेतृत्व में उप निरीक्षक मनीषा उपाध्याय थाना प्रभारी बिछिया द्वारा मुखबिर सूचना तन्त्र मामूर कर त्वरित पुलिस टीम गठित कर अपहृत को पनवेल नवी मुम्बई महाराष्ट्र से दस्तयाब कर उसके माता-पिता को सकुशल विधिवत सुपुर्द किया गया। घटना का संक्षिप्त विवरण में दिनांक 06.12.24 को फरियादिया उपस्थित थाना बिछिया आकर मौखिक रिपोर्ट लेख कराया कि दिनांक 05.12.24 को सुबह करीबन 11.00 बजे दिन मेरा नाबालिक लड़का जिसकी उम्र 14 वर्ष जो घर से स्कूल जाने को कहकर निकला था जो घर वापस नही आया बिना बताये कही चला गया है। रिपोर्ट पर अज्ञात व्यक्ति व्दारा अपहृत को बहला फुसलाकर ले जाने की आशंका पर थाना बिछिया में प्रथम दृष्टया अपराध क्र. 531/24 धारा 137(2) बी.एन.एस. अज्ञात आरोपी के विरूध्द कायम किया जाकर विवेचना में लिया गया सूचना से वरिष्ठ अधिकारियो को अवगत कराया गया। श्रीमान पुलिस अधीक्षक रीवा श्री विवेक सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अनिल सोनकर के कुशल मार्गदर्शन व नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती शिवाली चतुर्वेदी के कुशल नेतृत्व में उप निरीक्षक मनीषा उपाध्याय थाना प्रभारी बिछिया द्वारा मुखबिर सूचना तन्त्र मामूर कर त्वरित पुलिस टीम गठित कर अपहृत को पनवेल नवी मुम्बई महाराष्ट्र से दस्तयाब कर उसके माता-पिता को सकुशल विधिवतसुपुर्द किया गया। सराहनीय भूमिका उप निरीक्षक मनीषा उपाध्याय थाना प्रभारी बिछिया, सउनि. सउनि. संतोष पाण्डेय, प्र.आर. 548 कुशलदत्त तिवारी, प्र.आर.984 जयसिंह, प्र.आर.280 रामकरण वर्मा, आरक्षक 853 देवराज सिंह, आरक्षक 610 अरविन्द यादव, आरक्षक 1056 जगदीश खैरवार एवं महिला आर. 1187 गायत्री चौधरी।

दुष्कर्म के आरोपी अंकित साकेत गिरफ्तार

रीवा

घटना का संक्षिप्त विवरण में दिनांक 09.12.24 को फरियादिया उपस्थित थाना आकर एक किता लिखित आवेदन पत्र आरोपी अंकित साकेत निवासी झलवार बड़ा टोला थाना सेमरिया जिला रीवा द्वारा घटना दिनांक 03.06.24 को शादी का झांसा देकर गलत काम (बालात्कार) करने के संबंध में लाकर पेश किया फरियादिया द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र अवलोकन पर से प्रथम दृष्टया अपराध धारा 376 भा.द.वि. का पाये जाने से आरोपी उपरोक्त के विरूद्ध थाना बिछिया में अपराध क्रमांक 536/24 धारा 376 भा.द.वि. पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया, सूचना से वरिष्ठ अधिकारियो को अवगत कराया गया। श्रीमान पुलिस अधीक्षक रीवा श्री विवेक सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अनिल सोनकर के कुशल मार्गदर्शन व नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती शिवाली चतुर्वेदी के कुशल नेतृत्व में उप निरीक्षक मनीषा उपाध्याय थाना प्रभारी बिछिया द्वारा त्वरित पुलिस टीम गठित कर आरोपी अंकित साकेत पिता रामकलेश साकेत उम्र 24 वर्ष निवासी डालवार थाना सेमरिया जिला रीवा को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में माननीय न्यायालय पेश किया गया जहां से जेल वारंट प्राप्त होने पर आरोपी को केन्द्रीय जेल रीवा दाखिल किया गया।

नाम पता आरोपी में अंकित साकेत पिता रामकलेश साकेत उम्र 24 वर्ष निवासी झलवार थाना सेमरिया जिला रीवा (म.प्र.)

आयुष्मान द्वारा निःशुल्क उपचार की सूवधा
अब रीवा (म.प्र.) के लाइफ केयर हॉस्पिटल में
लेज़र मशीन द्वारा
बिना चीरफाड़ के बवासीर (पाइल्स), फिसचुला (भगंदर), फिशर्स, पाइलोनाईडल सायनस एवं वेरिकोज वेन्स ऑपरेशन की सुविधा शुरू
लेजर फायदें
● अस्पताल में रहने की आवश्यकता नहीं ● ऑपरेशन के पश्चात कम से कम तकलीफ ● रक्तस्राव व दर्द कम एवं कम समय में ही अस्पताल से छुट्टी ● किसी भी पारंपरिक इलाज से बहुत प्रभावी एवं गुणकारी ● फिर से होने की संभावना सबसे कम ● कम से कम समय में काम पुनः शुरू कर सकते है
उपलब्ध सुविधाएं
● आकस्मिक चिकित्सा इकाई ● महिला चिकित्सा ● खून जाँच एवं डिजिटल एक्स-रे केन्द्र ● दवाईयाँ ● प्रसूति कक्ष ● शल्य चिकित्सा कक्ष ● शल्य कियोत्तर कक्ष
आयुष्मान द्वारा निःशुल्क उपचार की सुविधा
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें-
लाइफ केयर हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर
जनता कॉलेज रोड, अनन्तपुर रीवा (म.प्र.)
8435896118, 9630131919, 7898847200

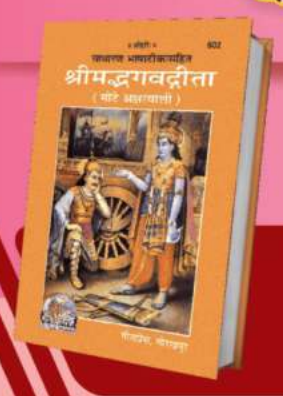

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी , आर.एन.आई नं. 47589/88 , डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833